

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 241 | गुवाहाटी | रविवार, 31 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारतीय नौसेना ने 23 पाकिस्तानियों को समुद्री डाकुओं से बचाया **पेज 2**

लोस चुनाव 24 में कांग्रेस का झंडा लगाने वाला कोई नहीं : रंजीत दत्त **पेज 3**

प्रधानमंत्री मोदी की नौ पत्नों की टीम का हिस्सा हैं अर्जुन मेघवाल **पेज 5**

महिला खिलाड़ियों से मास्पीट मामले में बड़ी कार्रवाई, गोवा पुलिस ने आरोपी ... **पेज 7**

## लोस चुनाव के बाद असम में यूसीसी लागू होगा : सीएम



गुवाहाटी। असम सरकार काफी समय से राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार कर रही है। अब एक बार फिर राज्य सरकार ने संकेत दिया है कि यूसीसी बहुत जल्द लागू किया जाएगा। हालांकि, लोकसभा चुनाव के समापन होने के बाद ही इसे लागू किया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार आम चुनाव खत्म होने के बाद यूसीसी लागू करेगी। उनकी टिप्पणी शुक्रवार को राज्य भाजपा मुख्यालय, वाजपेयी भवन में पार्टी की बैठक के मौके पर आई। **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर

गुवाहाटी (हि.स.)। मतदान के गणनाधिकार का प्रयोग करके देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए असम में प्रभावी तरीके से मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने और निर्वाचन प्रक्रिया में हिस्सा लेने के कदम यानी एसवीईडीपी व्यवस्था को क्रियान्वित करने की खातिर आज असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के सभागार में असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गौयल के साथ असम राज्य शहरी आजीविका मिशन और असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बीच समझौता ज्ञापन



(एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये। असम के संयुक्त चुनाव अधिकारी पंकज चक्रवर्ती और मिलि बरुवा पैदा करने के लिए कई कदम उठाएंगे। गांव की पस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में असम

राज्य शहरी आजीविका मिशन और असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के पदाधिकारियों से असम में सभी मतदाताओं का मतदान सुनिश्चित करने के लिए अधिक सक्रिय रूप से काम करने का आग्रह किया। असम में कुल 2,43,01,960 मतदाताओं में से 39 लाख परिवार ग्रामीण क्षेत्रों से हैं, इसलिए असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन इन मतदाताओं के बीच मतदान के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए कई कदम उठाएंगे। गांव पंचायत कार्यालयों,

## माजुली में फूड प्वाइजनिंग, 40 लोग अस्पताल में

माजुली। माजुली के तीन गांवों में अचानक खाद्य विषाक्तता फैल गई है, जिससे प्रत्येक गांव के 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रभावित गांवों में जेनी सोनोवाल, रंधानीचुक और वैरिदुनी शामिल हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि कम से कम 40 व्यक्तियों को इलाज के लिए कमलाबाड़ी के सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहर का स्रोत महा-प्रसाद, एक पवित्र भोजन प्रसाद होने का संदेह है। ऐसा माना जाता है कि प्रभावित



व्यक्तियों ने इस प्रसाद का सेवन किया, जिससे उनकी बीमारी हो गई। अधिकारी संदूषण का सटीक कारण निर्धारित करने के लिए घटना की जांच कर रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल में भर्ती आठ लोगों की हालत गंभीर मानी जा रही है, जिनमें लगातार उल्टी और दस्त जैसे लक्षण हैं। सभी प्रभावित व्यक्तियों को आवश्यक देखभाल और सहायता प्रदान करने के लिए चिकित्सा टीमें परिश्रमपूर्वक काम कर रही हैं। स्थानीय

मिसिंग, राभा, कार्बी तिवा, डिमासा और देउरी भाषा को मान्यता

गुवाहाटी। असम सरकार ने, स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से, मिसिंग, राभा, कार्बी, तिवा, डिमासा और देउरी को आधिकारिक तौर पर फाउंडेशनल स्टेज पर निर्देश के माध्यम (एमओआई) के रूप में मान्यता दी है। इन भाषाई समुदायों के छात्रों के बीच सीखने में सुधार के लिए यह निर्णय लिया गया है। मूलभूत चरण के बाद, शिक्षा का माध्यम एक क्षेत्रीय भाषा में परिवर्तित हो जाएगा। निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। स्कूल शिक्षा

## अरुणाचल : भाजपा के 10 विस उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले कुल 60 विधानसभा सीटों में से 10 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा उम्मीदवार निर्विरोध चुने लिए गए। इसकी जानकारी आज पूर्व मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने यहां प्रदेश भाजपा कार्यालय, इटानगर में मीडियाकॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में भाजपा पार्टी 100 प्रतिशत जीत हासिल करने वाली और राज्य में फिर से पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा भाजपा ने राज्य के दोनों सांसदीय सीटों पर अपने उम्मीदवार को उतारा है। हम दोनों ही उम्मीदवारों को जितकर केंद्र में भेजेंगे। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा की सरकार आयी है तब से राज्य का विकास बहुत **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## अजमल और रकीबुल एक ही : डॉ शर्मा

दरंग (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि एआईयूडीएफ के उम्मीदवार मौलाना बदरुद्दीन अजमल तथा कांग्रेस के उम्मीदवार रकीबुल हुसैन दोनों एक ही हैं। अजमल चुनाव जीते तो असम की जनता खुश होगी कि अजमल से असम की जनता को छुटकारा मिलेगा। वे दिल्ली चले जाएंगे। वहीं, यदि रकीबुल हुसैन चुनाव जीतकर दिल्ली जाते हैं **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

**पूर्वाञ्चल केशरी**  
(असमिया दैनिक)  
**PURVANCHAL KESARI**  
(ASSAMESE DAILY)  
GOOD LUCK PUBLICATIONS  
House No. 30, D. Neog Path,  
ABC, Guwahati - 781005  
Mob: 94350 14771, 97070 14771

**S.S. Traders**  
Suppliers in : All kinds of Door  
Fittings Modular Kitchen  
& Accessories, etc.  
D. Neog Path,  
Near Dona Planet  
ABC, G.S. Road,  
Guwahati - 05  
97079-99344

**सुप्रभात**  
कार्य-अकार्य के तत्वदर्शी ही मंत्री होने चाहिए।  
- आचार्य चाणक्य

**न्यूज गैलरी**  
सीरिया और लेबनान पर इजराइल का हवाई हमला, 44 मरे

यरुशलम (हि.स.)। इजरायल ने शुक्रवार को सीरिया और लेबनान के खिलाफ अबतक का सबसे बड़े हवाई हमला किया है जिसमें 36 सैन्यकर्मियों समेत 44 लोगों की मौत हो गई है। यह हमला गाजा युद्ध के शुरू होने के साढ़े पांच महीनों के दौरान हुआ। सीरिया की राजधानी दमिश्क और अलेप्पो प्रांत में किए इजराइली हवाई हमलों में 44 लोग मारे गए हैं, जिनमें 36 सैन्यकर्मियों हैं। जबकि लेबनान के बाजौरिया इलाके में लेबनानी हिजबुल्लाह का वरिष्ठ कमांडर मारा गया। रूस ने सीरिया पर इजराइली हमलों की निंदा की है और **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## लोस चुनाव का पहला चरण : सोनोवाल गौरव सहित 35 उम्मीदवार मैदान में

गुवाहाटी। असम में 19 अप्रैल को होने वाले पहले चरण के चुनाव के लिए के 'द्वीय मंत्री सर्वा'नंद सोनोवाल और कांग्रेस नेता गौरव गोगोई सहित कुल 35 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं, शनिवार को एक व्यक्ति ने नाम वापस ले लिया। पांच निर्वाचन क्षेत्रों - काजीरंगा, जोरहाट, डिब्रूगढ़, लखीमपुर और शोणितपुर में चुनाव के लिए कुल 38 उम्मीदवारों ने अपने पत्र दायित्व किए थे। शनिवार को नाम वापस की आखिरी दिन एक व्यक्ति ने अपना नामांकन वापस ले



लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और कांग्रेस उम्मीदवार गौरव गोगोई सहित चार उम्मीदवार मैदान में रह गए। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठबले) के उम्मीदवार फैसल अहमद मजूमदार (काजीरंगा) **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

लिखा, जबकि दो अन्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र गुरुवार को जांच के दौरान खारिज कर दिए गए। जोरहाट में, एक स्वतंत्र बाबा कुर्मी ने अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे मौजूदा भाजपा सांसद लेोपोन गोगोई और

## भाजपा की लोस चुनाव घोषणापत्र समिति में हिमंत भी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-2024 से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी चुनाव घोषणापत्र समिति की घोषणा की है, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी शामिल हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व वाली समिति में भारत भर के विभिन्न राज्यों के प्रमुख नेता शामिल हैं। उत्तर प्रदेश से राजनाथ सिंह को अध्यक्ष, तमिलनाडु से निर्मला सीतारमण को संयोजक और महाराष्ट्र से पीयूष गौयल को **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## कांग्रेसी मुझे लोस उम्मीदवारों के बारे में दैनिक अपडेट देते हैं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया है कि असम कांग्रेस के प्रत्येक लोकसभा उम्मीदवार के साथ आने वाले कुछ कांग्रेसी उन्हें दैनिक अपडेट प्रदान कर रहे हैं। ये व्यक्ति कथित तौर पर व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी बैठकों में उपस्थित लोगों की संख्या के बारे में विवरण साझा करते हैं। असम के सीएम ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि असम कांग्रेस के हर लोकसभा उम्मीदवार के साथ कुछ कांग्रेसी घूम रहे हैं जो हमारे अपने लोग हैं। ये



रखने में सक्षम हैं। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि वास्तविक समय में दो उम्मीदवारों की तस्वीरें और वीडियो उनके साथ साझा किए जाते हैं। शर्मा के अनुसार, माजुली में तापा गोगोई की बैठक में **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## मानस बोरा भाजपा में शामिल



गुवाहाटी (हि.स.)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी में इस्तीफों की सुनामी जारी है। लोकसभा चुनाव के पूर्व पार्टी ने एक के बाद एक नेताओं को विदाई दी है। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मानस बोरा ने शनिवार को कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। मानस बोरा, अनुज बरकटकी और गौरव सोमानी आज दोपहर वशिष्ठ स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता, सांसद पवित्र मार्षेयिता, मंत्री चंद्र मोहन **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## बदरुद्दीन अजमल शादी अभी कर लें बाद में जाना होगा जेल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल को उनकी वैवाहिक योजनाओं को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की। शर्मा ने कहा कि यदि अजमल दोबारा शादी करने का इरादा रखते हैं, तो उन्हें आगामी चुनावों से पहले ऐसा करना



चाहिए। शर्मा ने आगे कहा कि चुनाव से पहले अजमल की शादी में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित होगी, क्योंकि यह मौजूदा कानूनों के तहत वैध है। हालांकि, चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लागू होने से परिदृश्य बदल जाएगा। हिमंत विश्व शर्मा ने बदरुद्दीन अजमल को लेकर कहा कि उन्हें **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

## भारत रत्न सम्मान वितरण समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित



नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज भारत के दो पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया। इनके साथ भारत में हरित क्रांति के जनक कहे जाने वाले वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को भी मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। भारत रत्न सम्मान समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया। सभी के पुरस्कार उनके परिजनों ने प्राप्त किए। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के बेटे वी प्रभाकर राव ने राष्ट्रपति से अपने पिता को प्रदान किया गया पुरस्कार **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

देश के लिए योगदान को सम्मान है भारत रत्न : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो पूर्व प्रधानमंत्रियों पी वी नरसिम्हा राव और चौधरी चरण सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को आज मरणोपरांत राष्ट्रपति द्वारा भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के **-श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर**

**क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?**  
कृपया हमें सूचित करें

व्हाट्सएप नम्बर ▶ 60269 01243

टोल फ्री नम्बर ▶ 18003453767

नियंत्रण कक्ष ▶ 03612462295

एस. पी (I) ▶ 6026903481

एस. पी (II) ▶ 6026903483

एडिशनल एस. पी ▶ 6026903418

ईमेल ▶ complaints.vac@gmail.com

ट्विटर ▶ @DIR\_VAC\_ASSAM

सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२  
<https://dgvigilance.assam.gov.in/>



**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**  
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivaling, Nandi etc.

**ARTCLE WORLD,**  
Bz.-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Plaza, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

# भारतीय नौसेना ने 23 पाकिस्तानियों को समुद्री डाकुओं से बचाया

## मछुआरों ने लगाए भारत जिंदाबाद के नारे

**नई दिल्ली।** समुद्र में समुद्री डकैती रोधी अभियान के तहत अपहृत ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज और उसके 23 सदस्यीय पाकिस्तानी चालक दल को बचाने के एक दिन बाद, भारतीय नौसेना ने शनिवार को कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नौ समुद्री लुटेरों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए भारत लाया जा रहा है। उनके खिलाफ समुद्री समुद्री डकैती रोधी अधिनियम 2022 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नौसेना के प्रवक्ता द्वारा साझा किए गए एक बयान के अनुसार, भारतीय नौसेना की विशेषज्ञ टीमों ने मछली पकड़ने वाले जहाज अल-कंबर की स्वच्छता और समुद्री योग्यता जांच पूरी कर ली है। इसमें कहा गया है कि चालक दल, जिसमें 23 पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे, को मछली पकड़ने की गतिविधियों को जारी रखने के लिए नाम को खाली करने से पहले पूरी तरह से चिकित्सा जांच की गई। भारतीय नौसेना ने शुक्रवार को समुद्री डकैती रोधी अभियान के तहत 12 घंटे से अधिक के *गहन सामरिक उपायों* के बाद अपहृत ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज और उसके चालक दल को बचा लिया था। नौसेना ने शुक्रवार



को कहा कि अपहृत जहाज को गुस्वार को रोक लिया गया। इसमें कहा गया कि आईएनएस सुमेधा ने शुक्रवार तड़के एफबी *अल कंबर* को रोका और बाद में निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस त्रिशूल से जुड़ गया। भारतीय नौसेना ने कहा कि एसओपी के अनुसार 12 घंटे से अधिक के गहन कठोर सामरिक उपायों के बाद, अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज पर सवार समुद्री लुटेरों को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 23 पाकिस्तानी

नागरिकों वाले चालक दल को सुरक्षित बचा लिया गया है। घटना के समय मछली पकड़ने वाला जहाज सोकोट्रा से लगभग 90 एनएम दक्षिण पश्चिम में था और बताया गया है कि नौ सशस्त्र समुद्री डाकु उम्में सवार थे। भारतीय नौसेना ने कहा कि वह क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और *राष्ट्रीयताओं की परवाह किए बिना* नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सोकोट्रा द्वीपसमूह अदन की खाड़ी के पास उत्तर पश्चिम हिंद महासागर में है।

# भाजपा का कांग्रेस पर निशाना, कहा- देश के कानून से कोई भी ऊपर नहीं

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) इनकम टैक्स को लेकर कांग्रेस पर लगातार हमलावर है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस कानून से ऊपर नहीं है। देश के कानून का कोई भी उल्लंघन करेगा उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। आयकर नहीं भरने पर संबंधित विभाग कानून के तहत कार्रवाई कर सकता है, लेकिन कांग्रेस इस मामले में लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता जफर इस्लाम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि हाशिये पर रहने वाली पार्टी ही इस तरह से कानून का उल्लंघन करती है और अगर एजेंसी कार्रवाई करे तो लोगों को गुमराह करने की कोशिश करती है। जेल से बेल तक सभी नेता एक मंच पर जुटे हैं। फ्रॉड किए लोग जमा हो

रहे हैं। जफर इस्लाम ने कहा कि जिस मामले में कांग्रेस पार्टी शोर मचा रही है वो मामला 2014 से 2021 से चला आ रहा है। आयकर विभाग ने कांग्रेस को कई रिमाईंडर भेजा। जबवाब न मिलने पर इनकम टैक्स के प्रावधान 226 (3) के तहत कार्रवाई की तो कांग्रेस टिब्यूनल के पास गई लेकिन उसे वहां से कोई राहत नहीं मिली। 13 मार्च को कोर्ट ने पार्टी को अर्जो खारिज कर दी। साल 2021 में आयकर के प्रावधान 153(सी) के तहत री-एसेसमेंट का आदेश जारी किया गया। कई बार रिमाईंडर दिया गया लेकिन कांग्रेस पार्टी सोती रही। पार्टी देश का कानून का पालन करना ही नहीं चाहती। उन्होंने कहा कि कोर्ट से भी पार्टी को कोई राहत नहीं मिली। 2014-2021 तक के दस्तावेज देखने के बाद हाई कोर्ट ने फटकार लगाई है।

# पीओके : फिलिस्तीन समर्थकों ने केएफसी आउटलेट में लगाई आग, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर ( पीओके ) के मीरपुर शहर में कुछ अज्ञात लोगों ने एक रेस्तरां में आग लगा दी। अमेरिकी फास्ट फूड रेस्तरां फ्रेंचाइजी केएफसी के आउटलेट पर रात में कुछ लोगों ने धावा बोल दिया। कहा जा रहा है, इस भीड़ ने कथित दावा किया था कि केएफसी में इजरायली वस्तुएं थीं। इसके बाद भीड़ ने पथराव कर दिया और पुलिस से भी झड़प कर ली।

मन जा रहा है हमला करने वाले लोग फिलिस्तीन के समर्थक हैं। सूत्रों की माने तो केएफसी पर हमला करते हुए लोगों ने इजरायल विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक नारे लगाए। कथित तौर पर पुलिस की गोलीबारी में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। इसके बाद कई वाहनों और दुकानों में आग लगा दी गई। आपको बता दें, ये घटना पाकिस्तान में चल रहे *बायकॉट इजराइल* आंदोलन से संबंधित है। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और कथित तौर पर हिंसा में शामिल 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि और भी अधिक तापीयों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। केएफसी पर हुए हिंसक हमले के कई वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देखे जा सकते हैं।

# चुनाव में गड़बड़ करने वालों को अब जनता सिखा रही सबक

**नई दिल्ली।** लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह एक अच्छा संकेत है, कि जनता खुद ही चुनाव में भ्रष्ट आचरण और गड़बड़ी करने वालों को सबक सीखने के लिए आ आ रही है। लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक चुनाव आयोग के पास जनता की ओर से पहुंची 79 हजार से अधिक शिकायतों से उनकी जागरूकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह स्थिति तब तक ही ठीक रहेगी। जब अभी मतदान शुरू नहीं हुआ है। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान की शुरुआत 19 अप्रैल से होगी। चुनाव में जनता के इस जुड़ाव को बढ़ाने के पीछे आयोग की पहल है। जिसने चुनाव आयोग को निष्पक्ष व प्रलोभन मुक्त कराने के लिए जनता को जिम्मेदार बनाते हुए सी-विजिल नाम से एक ऐप तैयार किया है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति फोटो के साथ अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है। शिकायत के साथ ही उस स्थान का जियो-टैगिंग भी हो जाती है। इससे उस स्थान तक पहुंचने में आसानी होती है। खास बात

यह है कि इन शिकायतों पर सो मिनट के भीतर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाती है। चुनाव आयोग के मुताबिक, लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अभी तक 79 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इनमें से 99 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा कर दिया गया है, इनमें 89 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा सो मिनट के भीतर कर दिया गया। कुछ शिकायतों पर नोटिस जारी कर जवाब मांगे गए हैं। कुल शिकायतों में 73 फीसद यानी 58,500 शिकायतें अवैध होईंगे, पोस्टर व बैनरों से जुड़ी हुई थी। वहीं, 14 सौ शिकायतें पैसे, उपहार और शराब बांटने से जुड़ी थी। इसके साथ 535 शिकायतें हथियारों के प्रदर्शन व धमकी देने और करीब एक हजार शिकायतें तय समय के बाद भी यानी देर रात तक प्रचार करने और स्पीकर का उपयोग करने आदि से जुड़ी थी। आयोग के मुताबिक, जनता से मिलने वाली शिकायतों पर वह 24 घंटे नजर रख रही है। तय समय में कार्रवाई कर उन्हें निष्पक्ष चुनाव का भरोसा भी दे रही है।

# महंगाई, बेरोजगारी होगा महारैली का मुख्य मुद्दा : कांग्रेस

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** विपक्षी गठबंधन रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली करने जा रहा है। इस संबंध में कांग्रेस नेता जयराम रमेश का कहना है कि रैली का मुख्य मुद्दा महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता और धुवीकरण होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश (संचार) ने कांग्रेस रमेश ने कहा कि एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। जयराम रमेश ने कहा कि 31 मार्च (रविवार) की रैली लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए है, इसलिए नाम *लोकतंत्र बचाओ रैली* रखा गया है। जयराम रमेश ने कहा कि *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* की समाप्ति के बाद मुंबई में आईएनडीआईए गठबंधन की एक बड़ी रैली हुई थी। वहां पर पहला शंखनाद हुआ था और कल (रविवार) दूसरा बड़ा शंखनाद होगा। इस रैली में पूरा आईएनडीआईए शामिल है। इस रैली में देश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक विषमता और सामाजिक धुवीकरण मुख्य मुद्दा होगा। दिल्ली में प्रस्तावित रैली को लेकर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी

(आप) दोनों तैयारियों में जुट गई है। शनिवार को एक तरफ जहां आप के विधायक आयोजन स्थल पर तैयारियों का जाजावा लेने पहुंचे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के नेताओं ने एक संवाददाता सम्मेलन कर स्पष्ट कर दिया कि यह किसी पार्टी की रैली नहीं होगी यह किसी व्यक्ति की रैली नहीं है। जयराम रमेश ने कहा कि यह आईएनडीआईए में शामिल सभी 28 पार्टियों की रैली है। यह अलग बात है कि पश्चिम बंगाल में सीट शेयरिंग फार्मुला लागू नहीं हुआ फिर भी तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गठबंधन को इस लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होंगे। इस मौके पर कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा ने कर्नाटक की राजनीति में सक्रिय रहें तेजस्विनी गौड़ा को पार्टी की सदस्यता दिलाई और पार्टी में गठबंधन को इस लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होने पर स्वागत किया। तेजस्विनी गौड़ा 2004-09 के दौरान कांग्रेस की सांसद थीं। इसके बाद वे मार्च 2014 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गई। मार्च 2024 में उन्होंने कर्नाटक विधान परिषद सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया।

# भाजपा ने रैली को बताया भ्रष्टाचार बचाओ आंदोलन

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) ने आईएनडीआई गठबंधन पर निशाना साधते हुए रामलीला मैदान में होने वाली रैली को भ्रष्टाचार बचाओ आंदोलन करार दिया है। भाजपा ने कहा कि इस रैली का मकसद सिर्फ भ्रष्टाचारियों को बचाना है। शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह रैली *भ्रष्टाचार बचाओ आंदोलन* के अलावा और कुछ नहीं है। इस रैली का नारा है *करो भ्रष्टाचार, कहेो इसको शिथ्यचार, जब जांव होगी तो खिलाएंगे अत्याचार*। पूनावाला ने कहा कि पहले अरविंद केजरीवाल कहते थे कि वे लालू यादव, सोनिया गांधी और रहलू गांधी को जेल में डालेंगे, क्योंकि उन्होंने *भ्रष्टाचार* किया है।

# लोस चुनाव के बाद ...

आगामी चुनावों पर टिप्पणी करते हुए शर्मा ने कहा कि करीमगंज, नगांव में त्रिकोणीय मुक़ाबला होगा और अंततः भाजपा जीतेगी। 11 सीटों पर भाजपा का कोई मुक़ाबला नहीं है। नगांव में कांग्रेस-एआईयूडीएफ-भाजपा के बीच त्रिकोणीय मुक़ाबला होगा। इस बीच, एपीसीसी प्रमुख भूपेन बोरा का जिफ़र करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने दोहराया कि अगर भूपेन को मुख्यमंत्री बनने की इच्छा है, तो उन्हें भाजपा में आना होगा। गौरतलब है कि गृह मंत्री अमित शाह 6 अप्रैल को राज्य के लखीमपुर निवांचन क्षेत्र में एक चुनाव प्रचार रैली में शामिल होंगे। इस अभियान बैठक की रणनीति तैयार करने के अलावा, एजीपी के कार्यकारी दल के सदस्यों की कार्यप्रणाली पर विस्तृत चर्चा की गई। यूपीपीएल और गण शक्ति, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के अन्य घटक चुनावों के लिए समन्वय में प्रचार करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा खुद एक अप्रैल से 15 अप्रैल तक राज्य भर में मैराथन अभियान की तैयारी में हैं।

# शत-प्रतिशत मतदान ...

सहकारी समिति कार्यालयों आदि में *हेल्प डेस्क* के माध्यम से, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य *साराथी बाइडेओ* के नाम से मतदाता जागरूकता और मतदान अधिकारों के प्रयोग में सहायता करेंगे। विकास खण्ड/ग्रामों में 85 वर्ष या इससे अधिक आयु के वृद्ध मतदाताओं के साथ-साथ दिव्यांग मतदाताओं की सूची तैयार कर सारथी बाइडेओ को प्रशासनिक स्तर पर सूची जमा कर मतदान की विशेष सुविधाएं उपलब्ध करा सकेंगे। इसी प्रकार, असम राज्य शहरी आजीविका मिशन की सारथी बाइडेओ शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाताओं के बीच दिशानिर्देश, हैंडबुक, पत्रक आदि वितरित करने के अलावा 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं और विकलांग व्यक्तियों की मतदाता सूची तैयार करने जिला चुनाव अधिकारी की सहायता करेंगे। इसके अलावा, असम राज्य के शहरी आजीविका मिशन और असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन मतदाताओं को आकर्षित करने और मतदान सुनिश्चित करने के लिए महिला मतदाताओं के लिए रैलियां आयोजित करेंगे। आज समझौता हस्ताक्षर समारोह में अरुण राज्य नगरीय आजीविका मिशन के परियोजना प्रबंधक किशोरिय दास, देवाशीष कुमार बरुवा एवं रेविकर अहमद तथा असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. हिमाद्री कोच और राज्य परियोजना प्रबंधक रोजी के बरुवा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# अरुणाचल : भाजपा के...

तेजी से हो रहा है। जिसको देखते हुए राज्य की जनता भाजपा पर पूरी तरह से भरोसा और समर्थन दे रही है। उन्होंने मार्गदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने समर्थनों के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं और जनता को भी धन्यवाद देते हुए आगामी 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव में सभी को भाग लेने और भाजपा को जिताने का अनुरोध किया। निर्विध चुनाव जीतने वाले भाजपा विधायकों में 3-मुक्तो विधानसभा क्षेत्र से पेमा खांडू, चौना मीन 46-चौधम निर्वाचन क्षेत्र, राउ तच्ची 15-सगाली निर्वाचन क्षेत्र, जिक्के ताको 20-ताली विधानसभा क्षेत्र, हागे अप्पा 17 जितो-हापोली निर्वाचन क्षेत्र, तेची कासो 13- इटानगर निर्वाचन क्षेत्र, मुत्तू मिथि 43-रोईंग निर्वाचन क्षेत्र, न्यातो डुकाम 23-तालिहा निर्वाचन क्षेत्र, डोंगक सियोंगजू 7-बोमडिला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और दासांगलू पुल 45-हयुलियांग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से शामिल है।

# अजमल और रकीबुल...

तो असम के गेंडे खुश होंगे कि उनकी जान बच जाएगी। उल्लेखनीय है कि रकीबुल हुसैन के असम सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री रहते समय असम के विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों में भारी पैमाने पर गेंडे का शिकार हुआ था। इसी कारण मुख्यमंत्री ने उन पर कटाक्ष करते हुए गेंडों के बच जाने की बात कही। उल्लेखनीय है कि बदरुद्दीन अजमल तथा रकीबुल हुसैन दोनों ही धुबड़ी

लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री आज दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि दरंग-उदालगुड़ी सीट पर भाजपा उम्मीदवार दिलीप सैकिया तीन लाख से अधिक मतों के अंतर से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा कि दूसरे या तीसरे स्थान पर कौन रहता है इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 11 सीटें भाजपा निर्विरोध जीतेगी। जबकि, दो सीटों पर इसके उम्मीदवारों का मुक़ाबला होगा। लेकिन, भाजपा उम्मीदवार ही जीतेंगे। वहीं, 14वें सीट धुबड़ी को लेकर अभी स्थितियां स्पष्ट नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के सात राज्यों के 24 सीटों में से 22 सीटों पर भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत निश्चित है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे वह अरुणोदय योजना का लाभ हो या फिर राशन कार्ड का, मुस्लिम लोगों ने भी समान रूप से सुविधाएं प्राप्त की हैं। उन्होंने कहा कि आज राज्य में हिंदू-मुसलमान या जनजाति-गैर जनजाति या भाषा-भाषी के नाम पर कोई लड़ाई नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से काम करके खा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के अन्य कई प्रश्नों के सीधे-सीधे उत्तर दिए।

# मिसिंग, राभा, कार्बी ...

विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि मिसिंग, राभा, कार्बी, तिवा, डिमासा और देउरी भाषी समुदाय के छात्रों को बेहतर सीखने की सुविधा प्रदान करने के लिए, स्कूल शिक्षा विभाग में असम सरकार, मिसिंग को सूचित करती है। मिसिंग, राभा, कार्बी, तिवा, डिमासा और देउरी को मूलभूत चरण में निर्देश के माध्यम (एमओआई) के रूप में रखा जाएगा। बुनियादी चरण के बाद, निर्देश के माध्यम के रूप में पेश की गई इन भाषाओं को निर्देश के माध्यम के रूप में एक क्षेत्रीय भाषा में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। तत्काल प्रभाव से लागू हो।

# माजुली में फूड...

अधिकारियों ने निवासियों से सतर्क रहने और खाद्य विषाक्तता के किसी भी लक्षण का अनुभव होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लेने का आग्रह किया है। इसके अतिरिक्त, भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षित खाद्य प्रबंधन प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के प्रयास चल रहे हैं। जैसे-जैसे जांच जारी है, समुदाय इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद में अलर्ट पर है।

# लोस चुनाव का ...

और निर्दलीय महेंद्र ओरंग (शोणितपुर) के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। काजीरंगा, पूर्ववर्ती कालियाबोर निर्वाचन क्षेत्र, जिसका नाम राज्य में परसिसमन प्रक्रिया के दौरान बदल दिया गया था, में सबसे अधिक 11 उम्मीदवार हैं, जिनमें भाजपा के राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा और कांग्रेस प्रतियोगी रोजलिना तिकर्ती शामिल हैं। डिब्रूगढ़ में, तीन उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें भाजपा के केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, एकूकूत विपक्ष के उम्मीदवार के रूप में असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनन्ज्योति गोगोई और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मनोज धनोवर शामिल हैं। शोणितपुर में आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री रंजीत दात, कांग्रेस उम्मीदवार प्रेम लाल गंजू और आप के ऋषिराज कौंडिल्य शामिल हैं। लखीमपुर में नौ उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे, जिनमें मुख्य मुक़ाबला मौजूदा भाजपा सांसद प्रदान बरुआ और कांग्रेस उम्मीदवार उदय शंकर हजारीका के बीच है। निवर्तमान लोकसभा में, राज्य से भाजपा के पास नौ, कांग्रेस के पास तीन, एआईयूडीएफ और एक-एक सीट पर निर्दलीय का कब्जा था।

# भाजपा की लोस...

सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति में विविध प्रतिनिधित्व है, जिसमें झारखंड से अर्जुन मुंडा, राजस्थान से भूपेंद्र यादव और अर्जुन राम मेघवाल, अरुणाचल प्रदेश से किरेन रिजिजू और विभिन्न राज्यों से अन्य सदस्य शामिल

# पृष्ठ एक का शेष

हैं, जिनमें से प्रत्येक अपने अद्वितीय दृष्टिकोण और अनुभवों को मेज पर ला रहे हैं।

# कांग्रेसी मुझे लोस ...

किसी भी अन्य उम्मीदवार की बैठक की तुलना में अधिक लोग उपस्थित थे। एक प्रेस मीटिंग को संबोधित करते हुए असम के सीएम ने कहा कि जोरहाट में, आप वीडियो में उम्मीदवारों की बैठक देखेंगे। आज मैं आपको मेरे साथ दो उम्मीदवारों की बैठकों की संख्या दिखा सकता हूं। सुबह मेरे कमरे में आए, मैं आपको दिखाऊंगा. दोनों उम्मीदवारों की तस्वीरें और वीडियो मेरे पास रियल टाइम में आते रहते हैं. आज तापा गोगोई माजुली में हैं, उनकी सभा में इतने लोग हैं जितने किसी और उम्मीदवार की सभा में नहीं हैं. इसी तरह, सोनोवाल की डिब्रूगढ़ में बैठक की फोटो और लुरिनन्ज्योति गोगोई और मनोज धीवर की जब भी बैठक होती है तो फोटो मेरे पास आती हैं। और कांग्रेस की फोटो कुछ कांग्रेसियों ने खींचकर मुझे भेजी है। अब आप उसे देख सकते हैं कांग्रेस प्रत्याशियों की तस्वीरें आ रही हैं, उनके साथ आए कांग्रेसी उन्हें भेजें। शरत बरकटकी में सोनोवाल की बैठक और लुरिनन्ज्योति गोगोई और मनोज धीवर की बैठक की तस्वीरें मिलने का भी जिज्ञा किया. शर्मा ने आरोप लगाया कि उम्मीदवारों के साथ आने वाले कुछ कांग्रेसी विपक्षी उम्मीदवारों की तस्वीरें खींचकर उन्हें भेजते हैं।

# मानस बोरा भाजपा...

पटवारी, जयंत मल्लबरुवा और पीयूष हजारिका को मौजूदगी में भाजपा में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने के तुरंत बाद कांग्रेस छोड़कर निकले नेता मानस बोरा ने कहा कि कांग्रेस में तानाशाही है। इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए। अनुज बरकटकी ने कहा कि शरत बरकटकी के दिनों से ही हमारा बेस सोनारी में रहा है। मैं खुद सराइवेव जिला कांग्रेस का सचिव और अध्यक्ष था। लेकिन, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के मजबूत नेतृत्व से आकर्षित होकर भाजपा में आये हैं। कांग्रेस के पास अब कोई आधार नहीं है। शरत बरकटकी के दिनों की कांग्रेस और आज की कांग्रेस की तुलना नहीं की जा सकती। कांग्रेस में लॉबी चल रही है। दूसरी ओर, हाल ही में कांग्रेस छोड़ने वाले किशोर भट्टाचार्य रविवार को भाजपा में शामिल हुए। भाजपा में शामिल होने से पूर्व प्रदेश कांग्रेस महासचिव मानस बोरा ने शनिवार को सुबह कांग्रेस के प्रार्थमिक सदस्य के साथ-साथ महासचिव पद से भी इस्तीफा दे दिया था। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से मुक्ति के लिए अपना इस्तीफा भेज दिया। गौरव गोगोई के साथ अक्सर जुगुर आने वाले पूर्व मंत्री अकन बोरा के पुत्र मानस बोरा ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़ दी है। यह पार्टी का अदरूनी मामला जरूर है, लेकिन इसका असर आसम चुनावों पर पड़ेगा।

# बदरुद्दीन अजमल शादी ...

अभी शादी कर लेनी चाहिए, चुनाव के बाद यूसीसी असम आएगी, फिर गिरफ्तारी होगी। इसलिए अगर वह चुनाव से पहले शादी कर लें तो ठीक है। फिर हम उनकी शादी में भी जायेंगे। अब ये गैरकानूनी नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक मुझे पता है, उनकी एक पत्नी है, आज वह दो या तीन शादियां कर सकते हैं लेकिन चुनाव के बाद हम बहुविवाह बंद कर देंगे। सारी तैयारी हो चुकी है। अगर आप अभी शादी करते हैं, तो कुछ दिनों के भीतर करें, हमें भी बुलाएं क्योंकि यह अभी भी कानूनी है। लेकिन चुनाव के बाद यह अवैध है। मुख्यमंत्री की टिप्पणी अजमल को दूसरी शादी करने की कथित इच्छा के साथ में आई है। अब तक, यह ज्ञात है कि अजमल को केवल एक पत्नी है, लेकिन शर्मा ने चेतावनी दी कि यूसीसी कार्यान्वयन के बाद किसी भी अतिरिक्त विवाह को कानून के तहत बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। 28 मार्च को, बदरुद्दीन अजमल ने अपनी उम्र के बावजूद शादी के लिए अपनी पत्राचार पर जोर देते हुए विवादास्पद टिप्पणी की कि आज भी मैं शादी करने के लिए युवा हूं... मुझमें ताकत है और मैं दोबारा शादी कर सकता हूं। एआईयूडीएफ पार्टी प्रमुख ने 74 वर्ष से अधिक उम्र होने के बावजूद खुद को *बलवान अजमल* कहा।

# भारत रत्न सम्मान ...

प्राप्त किया। वहीं, चौधरी चरण सिंह के पोते और राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने मुर्मू से सम्मान स्वीकार किया। स्वामीनाथन की वेटी नित्या राव और कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर ने राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सरकार ने इस साल पांच भारत रत्न पुरस्कारों की घोषणा की थी, जिसमें भाजपा के दिग्गज नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी भी शामिल हैं। भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के बेटे राम नाथ ठाकुर ने कहा कि मैं बहुत प्रसन्न हूँ कि केंद्र सरकार ने मेरे पिता के काम को स्वीकार किया और उन्हें यह पुरस्कार दिया। मैं पूरे देश की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करता हूँ।

# देश के लिए ...

माध्यम से कहा कि इन दिवंगत नेताओं के देश के लिए किए गए योगदान को वह भारतीय स्वीकारता है। उन्हें इस बात पर गर्व है कि वे भारत रत्न से सम्मानित किए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में पीवी नरसिम्हा राव की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीवी नरसिम्हा राव गारू ने देश की प्रगति और आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। उन्हें एक सम्मानित विद्वान और विचारक के रूप में भी जाना जाता है। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न देश के विकास, विशेषकर कृषि और ग्रामीण विकास में उनके अनुलनीय योगदान का सम्मान है। मुझे विश्वास है कि पीवी के महान्त और जनसर्व के लिए उनकी प्रतिबद्धता हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि कृषि जगत की एक सम्मानित हस्ती को आनुवंशिकी और कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनके अग्रणी कार्य और अनुसंधान करने के लिए प्रेरित करें। बिहार के मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर पर प्रधानमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय और समानता के लिए समर्पित कर दिया। जननायक को समाज के अत्यंत पिछड़े वर्ग के मसीहा के रूप में जाना जाता है। समाज में हाशिये पर खड़े लोगों के उथान के लिए उन्होंने अपना बहुमूल्य योगदान दिया। पिछड़े वर्ग के अधिकारों के लिए कर्पूरी जी का अथक संघर्ष हमेशा याद किया जाएगा। उनको भारत रत्न का सम्मान हमारे समावेशी समाज और संवेदनशीलता के भारतीय मूल्यों का ही सम्मान है।

# सीरिया और लेबानान...

इसे सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। कहा कि इस तरह के हमलों का खतरनाक दुष्परिणाम हो सकता है। इजराइली सेना ने कहा है कि हिजबुल्लाह की राकेट और मिसाइल यूनिट का उप प्रमुख अली आबेद अब्खान हवाई हमलों में मारा गया है। बताया है कि अली आबेद हिजबुल्लाह के घातक रॉकेटों को संचालित करने का कार्य करता था और वह इजराइली क्षेत्र में हमलों के लिए जिम्मेदार था। इजराइली हमले में छह अन्य लोगों के मारे जाने की भी सूचना है। बीते साढ़े पांच महीनों में हिजबुल्लाह के हमलों में 12 इजराइली सैनिक और छह इजराइली नागरिक मारे जा चुके हैं, जबकि इजराइल के हमलों में हिजबुल्लाह के 270 लड़ाके और 50 नागरिक मारे गए हैं। विदित हो कि हिजबुल्लाह को ईरान के साथ सशस्त्र प्रारंभ है जबकि ईरान सीरिया के जरिये गाजा में हमारस के लड़ाकों को मदद करता है। गाजा पट्टी में भी कई स्थानों पर इजरायली विमानों ने बमबारी की। इन हमलों में दर्जनों लोग मारे गए हैं। गाजा सिटी और मध्य गाजा के इलाकों में इजरायली सेना की जमीनी कार्रवाई जारी है। गाजा सिटी के पूर्वी भाग में 17 लोगों के मारे जाने की सूचना है। एक अन्य स्थान पर 10 पुलिसकर्मी मारे गए हैं। ताजा हमलों में मारे गए लोगों समेत गाजा में भरने वालों की कुल संख्या 32,623 हो गई है।











## भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने लोकसभा चुनाव को लेकर बनाई कार्य-योजना



**जयपुर (हिस)**। लोकसभा चुनाव 2024 के चुनावी कैम्पेन को गति देते हुए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल की अध्यक्षता में शनिवार को एस. सी. मोर्चा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक भाजपा प्रदेश कार्यालय जयपुर में आयोजित की गई। इसमें अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा किए जाने वाले तीन प्रमुख अभियानों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके सफल क्रियान्वयन को कार्य योजना बनाई गई। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि पहले अभियान में अनुसूचित जाति बाहुल्य विधानसभाओं में प्रत्येक विधानसभा में एक-एक अनुसूचित जाति सम्मेलन किया जाएगा। दूसरे अभियान में एससी मोर्चा द्वारा 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर विशेष संपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत भाजपा के सभी के मंडलों पर पुष्पांजलि एवं विचार प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम किए जाएंगे। जिसके बाद घर-घर संपर्क कर मोदी सरकार द्वारा बाबासाहब डॉ. अंबेडकर के सम्मान में बनाए गए पंच तीर्थ व जन कल्याणकारी योजनाओं के पत्रक वितरण करने जाएंगे। एससी मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि तीसरे अभियान के तहत हर घर संपर्क अभियान भी अनुसूचित जाति मोर्चा शुरू करेगा, जिसके तहत प्रत्येक विधानसभा की सभी अनुसूचित जाति बस्तियों में घर घर जाकर संपर्क कर केंद्र सरकार की योजनाओं के पत्रक वितरण किए जाएंगे।

# बीकानेर में केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर बोले प्रधानमंत्री मोदी की नौ पत्नों की टीम का हिस्सा हैं अर्जुन मेघवाल

**बीकानेर (हिस)**। केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा कि बीकानेर से एक ऐसा व्यक्ति आपका प्रतिनिधित्व कर रहा है। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नौ पत्नों की टीम का हिस्सा है। मेघवाल ने हमेशा ही अपने लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक सोच रखकर अनेक विकासपरक योजनाएं शुरू की है। ऐसे में चौथी बार फिर से मेघवाल को चुनाव जीताकर क्षेत्र के विकास में भागीदार बनें। ठाकुर यहां मेघवाल के समर्थन में आए थे। भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि उनका उद्देश्य बीकानेर को महानगरों की श्रेणी में लाना है। अपने कार्यकाल में जो काम अधूरे रहे उनको पूरा करवाने के वादे के साथ 19 अप्रैल को अधिकाधिक मतों की आहुति भाजपा के पक्ष में करने की बात उन्होंने कही।



इस मौके पर भाजपा शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य, श्रीद्वारागढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, वरिष्ठ नेता मुमताज अली भाटी, डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, मोहन सुराणा, नारायण चोपड़ा, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, जिलाध्यक्ष विजय आचार्य, महिला मोर्चा की संभार प्रभारी विनिता, मधुरिमा सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुमन छाजेड, विकास मारू, जयनारायण मारू, सत्यप्रकाश मारू, नितिन मारू, श्रवण मारू, शिवलाल तेजी, सुखराम दावा, भेरूलाल सोनी, महावीर सोनी, मदनगोपाल सोनी सहित अनेक वक्ताओं ने विचार रखे। उधर लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी अर्जुनराम मेघवाल ने शनिवार को अपने चुनावी अभियान के तहत अनेक प्रबुद्धजनों से संवाद किया वहीं अनेक समाज की ओर से भाजपा प्रत्याशी का अभिनंदन किया गया। मेघवाल ने प्रधान कार्यालय मोहता भवन में अधिवक्ताओं, महिला मोर्चा, सीए, सीएस, अधिवक्ताओं के साथ बैठक कर अपने विचार साझा किए वहीं विभिन्न समाज के लोगों की ओर से मेघवाल का सम्मान किया गया। उधर रामपुर बस्ती में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई जिसमें अर्जुनराम मेघवाल ने संबोधित किया तो शाम को व्यापार सम्मेलन में भी मेघवाल का अभिनंदन किया गया।

लखनऊ (हिस)। जो राम को लाए हैं, हम उनको लाए हैं... गीत गाकर दुनियाभर में शोहरत हासिल करने वाले जाने-माने गायक कन्हैया मिश्रल ने कहा है कि उनके पंजाब में भी आज शासन के योगी मॉडल की डिमांड बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पहले जहां गुजरात मॉडल की बात की जाती थी, 2024 में अब यूपी मॉडल की हर कोई चर्चा कर रहा है। योगी राज में जिस तरह से माफिया को मिट्टी में मिलाने की बात हुई, ये होना बहुत जरूरी था। जनता के भीतर से माफिया का डर निकाल देना बहुत बड़ी बात है। कन्हैया मिश्रल ने मीडियाकर्मियों से कहा कि किसी भी प्रदेश में व्यापार और आर्थिक गतिविधियां तभी बढ़ेंगी जब वहां व्यापारी वर्ग और बेटियां सुरक्षित होंगे। आज पूरा देश योगी आदित्यनाथ की कार्यप्रणाली देख रहा है। उन्होंने बताया कि वह चंडीगढ़ में रहते हैं और अब पंजाब में भी योगी जी की डिमांड है। माफिया की कमर तोड़ने का काम होते रहना चाहिए। भारत जीयो और जीने दो की बात करता है। यह परमहंस और संतों की धरती है। गैंगेस्टॉरों का खत्मा होना जरूरी है। मिश्रल ने कहा कि बीते 10 साल में हमने देश में जैसा शासन देखा है वैसा ही अगले 20 साल तक देखने की चाहत है। वह देशभर के सनातनियों को अपने गीतों के जरिए जागरूक करते रहेंगे। मिश्रल ने स्पष्ट किया कि देश को वो सरकार नहीं चाहिए जो रामभक्तों पर गोली चलाती हो, बल्कि ऐसी सरकार चाहिए जो हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करती हो।

## पंजाब में भी हो रही है योगी मॉडल की डिमांड



## नवादा से चुने गए अबतक के 17 सांसद में 14 बाहरी, चन्दन ही पार लगाएंगे विवेक की नैया

**नवादा (हिस)**। नवादा लोकसभा सीट से इस बार एनडीए राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर को प्रत्याशी के रूप में नवादा में उतारा है। इसके पूर्व एलजेपी ने नवादा संसदीय सीट के लिए मोकामा के शंकरवार टोला निवासी चर्चित सूरजजन सिंह के छोटे भाई चंदन सिंह को मैदान में उतारा था। वे सांसद बनकर अपने बेहतर व्यवहार, ईमानदारी और कार्य कुशलता व विनम्रता से काफी लोकप्रियता हासिल की थी लेकिन भाजपा ने नवादा सीट को अपनी झोली में लेकर वर्तमान सांसद चंदन सिंह का टिकट ही काट दिया, जिससे नवादा का नागरिकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। अगर चंदन सिंह से एनडीए ने सहयोग नहीं लिया तो संभव है कि लव कुश जमात में राष्ट्रीय जनता दल की संघमारी एनडीए की नौका डूबा भी सकती है। विवेक भी नवादा के लिए नए चेहरे हैं। पिछले 17 लोकसभा चुनावों में प्रमुख दलों ने अक्सर नए चेहरों पर दांव लगाया है। पिछले 17 सांसदों की सूची में 14 सांसद नवादा से बाहर के निर्वाचित हुए हैं। नवादा के भारतीय जनता पार्टी



के कई नेता घर का नेता घर का बेटा का नारा लगाकर भारी उम्मीदवारों को हराने का भी ऐलान कर चुके हैं लेकिन खुले तौर पर सड़क पर उतरने की उनकी हिम्मत नहीं हो रही है, जो स्थिति लग रही है उससे साफ जाहिर है कि एनडीए को नवादा में भीतर घात का बड़ा खतरा का भी सामना करना पड़ सकता है। भारतीय जनता पार्टी के ही कुछ विरोधियों ने पर्दे के

पीछे से भोजपुरी गायक गुंजन सिंह को उम्मीदवार बना दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक पूर्व विधायक से गुंजन को बेटने ने की भी बात कही है। वह भी कुछ वोट को निश्चित तौर पर क्षति पहुंचाएंगे। एनडीए के बचाव का सबसे बड़ा सहारा राजद विधायक ताराचंद सारस्वत, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, वरिष्ठ नेता मुमताज अली भाटी, डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, मोहन सुराणा, नारायण चोपड़ा, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, की कमी होती है। ऐसे में राजनीतिक दल धनबल और बाहुबल को प्राथमिकता देते हैं। सबसे अधिक छह बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। 1957 में निर्वाचित सत्यभामा देवी को छोड़ दें तो पांच दफा बाहरी उम्मीदवारों को कांग्रेस ने मौका दिया। गया के ब्रजेश्वर प्रसाद, पटना सिटी के रामधनी दास, जहानाबाद के सुखदेव वर्मा और पटना के कुंवर राम निर्वाचित हुए हैं। चार दफा बीजेपी ने जीत दर्ज की। उसने भी चार नए चेहरे पर दांव लगाया। पटना के कामेश्वर पासवान, बेगूसराय के डॉ. भोला सिंह, दरभंगा के डॉ. संजय पासवान और लखीसराय के बड़हिया के गिरिराज सिंह को मौका दिया। राजद से दो सांसद निर्वाचित हुए। इनमें गया से मालती देवी, जबकि हाजीपुर से वीरचंद्र पासवान थे। सीपीएम के निर्वाचित होनेवाले सांसदों में से एक प्रेम प्रदीप नालदा के थे। बीएलडी से नथुनी राम निर्वाचित हुए थे, वह भी बाहर के थे। नवादा में तीन दफा स्थानीय सांसद निर्वाचित हुए। 1957 में कांग्रेस ने नवादा जिले के हिसुआ के मंझवे निवासी त्रिवेणी प्रसाद सिंह की पत्नी सत्यभामा देवी निर्वाचित हुई थी।

रांची (हिस)। बड़ाई अंचल की 8.5 एकड़ जमीन घोटाले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आर्किटेक्ट विनोद कुमार, बड़ाई अंचल के उप-निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, राजकुमार पाहन और हिलेरियस कच्छप के खिलाफ ईडी की टीम ने चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल किया है। ईडी के अधिकारी शनिवार को शाम बक्स में चार्जशीट लेकर कोर्ट परिसर पहुंचे। इसके बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में चार्जशीट दाखिल की। लगभग साढ़े पांच हजार पन्नों की चार्जशीट जमा की गई है, जिसमें अदालत को जानकारी दी गई है कि जमीन घोटाले के जरिये हुए मनी लाँड्रिंग में किसकी क्या भूमिका है। साथ ही ईडी ने 8.5 एकड़ जमीन भी

## पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पांच के खिलाफ चार्जशीट दायर

रांची (हिस)। बड़ाई अंचल की 8.5 एकड़ जमीन घोटाले में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आर्किटेक्ट विनोद कुमार, बड़ाई अंचल के उप-निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, राजकुमार पाहन और हिलेरियस कच्छप के खिलाफ ईडी की टीम ने चार्जशीट (आरोप पत्र) दाखिल किया है। ईडी के अधिकारी शनिवार को शाम बक्स में चार्जशीट लेकर कोर्ट परिसर पहुंचे। इसके बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में चार्जशीट दाखिल की। लगभग साढ़े पांच हजार पन्नों की चार्जशीट जमा की गई है, जिसमें अदालत को जानकारी दी गई है कि जमीन घोटाले के जरिये हुए मनी लाँड्रिंग में किसकी क्या भूमिका है। साथ ही ईडी ने 8.5 एकड़ जमीन भी



अटैच किया है। इससे पूर्व 21 मार्च को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इसके बाद कोर्ट ने पांच अप्रैल तक उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी थी। हेमंत सोरेन फिलहाल बिरसा मुंडा

# लोकसभा चुनाव : लंबे समय बाद एक कांग्रेस भ्रष्टाचार और आंतकवाद की जननी : मुख्यमंत्री शर्मा मंच पर जुटेंगे रालोद-भाजपा के नेता

**मेरठ (हिस)**। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटों को जीतने के लिए भाजपा ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद के साथ, पूर्वी उत्तर प्रदेश में ओमप्रकाश राजभर और अनुप्रिया पटेल की अपना दल के साथ गठबंधन किया है। लंबे समय बाद रविवार को भाजपा और रालोद के नेता एक मंच से मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए जुटेंगे। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद मुखिया जयंत चौधरी एक मंच पर होंगे। मेरठ में केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान के मैदान पर 31 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चुनाव प्रचार

अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही लगभग 15 वर्ष बाद एक मंच पर रालोद और भाजपा के नेता इकट्ठा होंगे। इनमें प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी मंच साझा करेंगे। इससे पहले 2009 में भाजपा और रालोद ने मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ा था। उस समय बागपत से अजित सिंह और मथुरा से जयंत चौधरी चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे थे। उस चुनाव में रालोद ने पांच सीटों पर जीत हासिल की थी। उस समय रालोद नेताओं ने भाजपा नेताओं के साथ इकट्ठा होकर चुनाव प्रचार किया था।

**जोधपुर (हिस)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 के बाद देश में परिवर्तन लाए हैं। वर्ष 2014 से पहले क्या स्थिति थी वो तस्वीर ही हमने देखी थी। भ्रष्टाचार से लेकर आंतकवाद के तांडव को हम देख चुके हैं। तृष्णकरण के आधार पर चला करती थी सरकार। कांग्रेस भ्रष्टाचार और आंतकवाद की जननी है। वे आज जोधपुर में केंद्रीय जलस्थिति मंत्री की नामांकन रैली में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने विकास के नाम पर वोट मांगे, मगर विकास नहीं किया। आजादी के 50 साल बाद भी गांवों की तस्वीर नहीं बदली है। जब जब आई बीजेपी की सरकार तब तब हुए हैं

विकास का काम। मुख्यमंत्री शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री सड़क योजना से लेकर नदियों से नदियों को जोड़ने का काम हुआ है। किसानों के हित में बीजेपी सरकार ने फैसले लिए हैं। बाद में जब प्रधानमंत्री मोदी की सरकार आई तो तस्वीर बदल गई। राजस्थान में बीजेपी को मौका मिलते ही विकास के काम किए हैं। 15 दिसंबर को सरकार बनते ही संकल्प लिया और 45 महत्वपूर्ण फैसले लेकर राजस्थान की तस्वीर बदली है। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आईआरसीपी की योजना से लेकर नर्मदा और माही योजना के लाभ का भी उल्लेख किया। इंदिरा गांधी नहर से लेकर कई फैसले किए। उन्होंने कहा कि बिजली के मामले में 3 साल में राजस्थान आत्मनिर्भर होगा। उन्होंने एमपी टिकट को लेकर कांग्रेस पर

हमला बोला और कहा कि कोई टिकट लेने को तैयार नहीं है। पेपर लीक मामले को लेकर सीएम शर्मा ने कहा कि कहां एसओजी ये ही थी, उस वक्त आज भी एसओजी वही है। आरोपियों को किसी सूरत में नहीं बर्खासा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा। अगर खाना तो उल्टी करके निकालूंगा। लोक सभा चुनाव में राजस्थान से फिर देनी है 25 की 25 सीट और हर सीट जीतनी चाहिए 5 लाख के अंतर से। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को हाथ खड़े कराकर 25 की 25 सीटें जीतने का संकल्प दिलाया। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत को जिताने अपील की।

## कन्हैया हत्याकांड का केस हमारे पास होता तो आरोपियों को हो जाती फांसी : गहलोत

**उदयपुर (हिस)**। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान दिवस की बधाई देते हुए कहा कि पहली बार किसी राज्य की पूरे देश में चर्चा होती रही, पर भाजपा ने इतना झूठ बोला कि राजस्थान में कांग्रेस की दुबारा सरकार नहीं बन पाई। सबसे बड़ा झूठ जघन्य कन्हैया हत्याकांड को लेकर भाजपा ने बोला। वे शनिवार को उदयपुर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा के नामांकन दाखिल करने के अवसर पर नगर निगम प्रांगण में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि हत्या के बाद गुलाब चंद कटारिया, राजेन्द्र राठौड़ आदि भाजपा नेता हैदराबाद चले गए, जबकि वे जोधपुर से जयपुर गए और वहां से

डीजीपी व सचिव को लेकर सीधे उदयपुर में दिवंगत कन्हैयालाल के घर पहुंचे और आश्रितों से मिले। दो घंटे के अंदर आरोपी पकड़े गए। आश्रितों को पचास लाख की आर्थिक मदद व दोनों बेटों को सरकारी नौकरी तथा आरोपितों को पकड़ने वाले दोनों नागरिकों को भी सरकारी नौकरी दी। इतना सब कुछ किया फिर भी भाजपा वालों ने हिंदू मुस्लिम करते हुए सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया कि गहलोत सरकार ने मृतक कन्हैयालाल के आश्रितों को पांच लाख और मुसलमान के मरने पर पचास लाख रुपए दिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की एनआईए ने तत्काल यह मामला अपने हाथ में ले लिया, लेकिन अब तक फैसला नहीं आने

दिया। इसका उपयोग चुनाव जीतने में किया। गहलोत ने दावा किया कि यदि यह मामला कांग्रेस सरकार के पास होता तो अब तक आरोपितों को फांसी की सजा हो चुकी होती। गहलोत ने कहा कि आज मुक्त खतरनाक दौर से गुजर रहा है। आज देश के हालात गंभीर हैं। हालात नहीं सुधरे तो ऐसा समय आएगा जब चुनाव भाजपा बनाम आम जनता हो जायेगा। अगले चुनाव की गारंटी नहीं हैं। संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं। देश के प्रधानमंत्री मोदी संवैधानिक संस्थाओं ईडी व इनकम टैक्स का दुरुपयोग कर रहे हैं। गहलोत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आ रहे फैसलों से अब मोदी सरकार और भाजपा वाले घबराए हुए हैं। अब इनकी

पोल खुल रही है। गहलोत ने बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी ताराचंद मीणा का कलेक्टर पद से इस्तीफा बड़ी मुश्किल से स्वीकार किया गया, वहीं जब उन्हें खुद मुख्यमंत्री से कहना पड़ा। जबकि, प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी का इस्तीफा तत्काल स्वीकार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खाते फ्रीज करने के मामले में अमेरिका व जर्मनी फटकार रहे हैं तो भाजपा वाले उन्हें देश के अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देने की नसीहत दे रहे हैं, जबकि मोदी ने अमेरिका के चुनाव में तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रम्प का हाथ पकड़कर बोलते थे, अबकी बार ट्रम्प सरकार।

## हरिशंकर चौधरी के नेतृत्व में कई लोगों ने थामा जदयू का दामन

**पटना (हिस)**। पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी हरिशंकर चौधरी ने शनिवार को जदयू का दामन थाम लिया। पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सिंह ने पार्टी कार्यालय में हरिशंकर चौधरी सहित उनके नेतृत्व में कई लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी। मौके पर वशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नीति-सिद्धांतों एवं कार्यों से प्रभावित होकर हरिशंकर चौधरी के नेतृत्व में कई साथियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। चौधरी सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। अपने क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ है। इनके आने से पार्टी को सांठनिक मजबूती मिलेगी। जदयू परिवार में सभी नए सदस्यों का हम हार्दिक स्वागत करते हैं। मौके पर मुख्य रूप से विधानपार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश त्यागी, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव संतोष सिंह, विशाल सिंह मौजूद रहे। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वालों में नवलेश रविदास एवं रंजीत कुमार पासवान मुख्य थे।

राजौरी जिले के धरमसाल इलाके में सुरक्षा बलों ने चलाया गहन तलाशी अभियान

**राजौरी (हिस)**। सुरक्षा बलों ने राजौरी जिले के धरमसाल इलाके में संधिध गतिविधियों की जानकारी के बाद शुक्रवार देर शाम गहन तलाशी अभियान चलाया। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि सेना और पुलिस द्वारा संयुक्त तलाशी अभियान शुक्रवार देर शाम को धरमसाल इलाके के ब्रेवी बाजीमल और जंगल-काबूकोट में चलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने ब्रेवी बाजीमल में एक प्राकृतिक गुफा की तलाशी के दौरान कुछ राउंड फायरिंग भी की लेकिन वहां कुछ नहीं मिला।

## कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रदेशभर में किया प्रदर्शन



**लखनऊ (हिस)**। आयकर विभाग की ओर से कांग्रेस पार्टी को 1823 करोड़ रुपए की नोटिस दिए जाने पर आक्रोशित पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। इसमें लखनऊ के प्रदेश कार्यालय से प्रदर्शन करते हुए सड़क पर निकले कांग्रेस कार्यकर्ताओं का लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस से सामना हुआ। माल एवेन्यू रोड पर

बैंकेटिंग लगाकर पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोक दिया। बरेली में कांग्रेस के यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया और कहा कि आयकर विभाग ने बीती रात को कांग्रेस पार्टी के नाम से दो और नोटिस जारी की है। केंद्र सरकार के इशारे पर कांग्रेस पार्टी को नोटिस दी जा रही है तो यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जगह जगह पर प्रदर्शन किया है। मुरादाबाद में कांग्रेस नेता असलम के नेतृत्व में प्रदर्शन करने उतरे कार्यकर्ताओं को पुलिसकर्मियों ने रोक। आयकर विभाग की कार्रवाई से नाराज कांग्रेस नेता और उनके समर्थकों ने नारेबाजी भी की, लेकिन पुलिस ने बलपूर्वक हटा दिया। वाराणसी में प्रदेश अध्यक्ष और उम्मीदवार अजय राय के नेतृत्व में आयकर विभाग की नोटिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए युवा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार को घेरा, और कहा कि हर बार एजेंसियों का उपयोग कर केंद्र सरकार प्रताड़ित करने का कार्य कर रही है। केंद्र में बैठे सरकार की मंशा उद्यमियों को लाभ पहुंचाना तक ही रह गया है। उत्तर प्रदेश के अन्य प्रमुख जिलों में भी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और आयकर विभाग के नोटिस को गलत बताया। कांग्रेस के प्रवक्ता अशु अवस्थी ने कहा कि आयकर विभाग का उपयोग कर केंद्र सरकार कांग्रेस को चुनाव के वक्त परेशान कर रही है। कांग्रेस के खाले भी सीज कराए गए। केंद्रीय एजेंसियों की सक्रियता चुनावी है।

## गर्मी का पारा चढ़ते ही बेल, गन्ना व शीतल पेय पदार्थ की मांग हुई तेज, राहगीर बुझा रहे अपनी प्यास

**सहरसा (हिस)**। जिले में सूर्य की तेज धूप का पारा चढ़ने के साथ ही गर्मी की शुरुआत होते ही शहर में पेय पदार्थों की बिक्री काफी तेज हो गई है। इस समय विभिन्न चौक-चौराहे पर लोग विभिन्न कंपनियों के पेय पदार्थों व नौबू पानी के अलावा, बेल, गन्ना, तरबूज, खीरा, मौसमी फल जैसे अन्य ठंडी वस्तुओं का सेवन करते हुए आसानी से देखे जा सकते हैं। इस गर्मी में राहगीर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। इस बार मार्च महीने की शुरुआत व अंत में बारिश होने से मौसम में ठंडक थी। अब मौसम साफ होते ही गर्मी ने भी अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। इसके चलते पेय पदार्थों की बिक्री काफी तेज हो गई है। वहीं इस समय लोग होलकर पर पेय पदार्थ के साथ, गन्ने, नौबू आदि के जूस का सेवन करते हुए देखे जा रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस वर्ष शुरुआत से ही मौसम ठंडा होने के कारण उनका धंधा प्रभावित हो रहा था लेकिन अब गर्मी बढ़ते ही बिक्री में काफी वृद्धि हुई है। गन्ना का जूस बेच रहे भवेश कुमार ने बताया कि हमलोग किसान से खेत में लगे गन्ना फसल पांच हजार रुपए कड़ु



खरीदकर लाते हैं, जिसे मशीन द्वारा रस निकाल कर दस पंद्रह एवं बीस रुपए गलास बिक्री की जा रही है। उन्होंने बताया कि गन्ने की साफ-सफाई कर मशीन से जूस निकाल कर बिक्री की जाती है। वहीं शाहकों की मांग पर इस गन्ने के रस में पुदीना, नौबू एवं बर्फ भी मिलाया जाता है। जिसे ग्राहक काफी पसंद करते हैं। वहीं बेल का जूस बेच रहे पिन्टू कुमार ने बताया कि हम लोग विगत 7 वर्षों से खेल के माध्यम से बेल का जूस बेच रहे हैं जो गर्मी के

दिनों में स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक माना जाता है। उन्होंने बताया कि हम लोग बेल पटना से खरीद कर लाते हैं। इस बेल के रस में काला नमक मिलाकर पीने से कब्ज एवं गैस की समस्या दूर होती है। वहीं पेट भी ठंडा रहता है। उन्होंने बताया कि कुत्रिम एवं रासायनिक पेय पदार्थ के बदले अब लोग प्राकृतिक रस काफी पसंद करते हैं जिस कारण अभी खूब बिक्री हो रही है। आमदनी अधिक होने से घर का गुजारा अच्छे से हो रहा है।

**पटना/बक्सर (हिस)**। बिहार के बक्सर जिले में बीते 24 घंटे के भीतर मौत से हड़कंप मच गया है। मरने वाले सभी लोग ब्रम्हपुर के बगेन गोला थाना क्षेत्र के मनकी गांव के रहने वाले थे। तीन लोगों की मौत पहले ही हो गई थी जबकि दो अन्य लोगों की मौत बीती रात इलाज के दौरान हो गई है। दो अन्य लोग अस्पताल में भर्ती हैं। पटना में इलाज के दौरान जिन दो लोगों की मौत हुई है उनमें 40 वर्षीय हरेन्द्र सिंह उर्फ काली यादव और 40 वर्षीय दामोदर यादव हैं। इस गांव के कुल पांच लोगों की मौत अबतक हो चुकी है। एक के बाद एक पांच लोगों की संधिध मौत से गांव में हड़कंप मच गया है। ग्रामीण जहरीली शराब पीने से मौत की आशंका करते रहे हैं। तीन लोगों की मौत के बाद दो और लोगों की मौत की खबर जैसे ही ग्रामीणों को मिली कोहमप मच गया।



## सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा भारत का विदेशी मुद्रा भंडार, अरबों डॉलर बढ़ गया है खजाना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर ताजा आंकड़े जारी किए गए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें सप्ताह शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली है। 22 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 642.631 बिलियन डॉलर पहुंच गया है। यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है।

### आरबीआई रिपोर्ट की खास बातें

पांचवें सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा कोष

में 140 मिलियन डॉलर की वृद्धि देखने को मिली है। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दी गई। इससे पहले विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वोच्च स्तर 2021 में देखा गया था। उस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

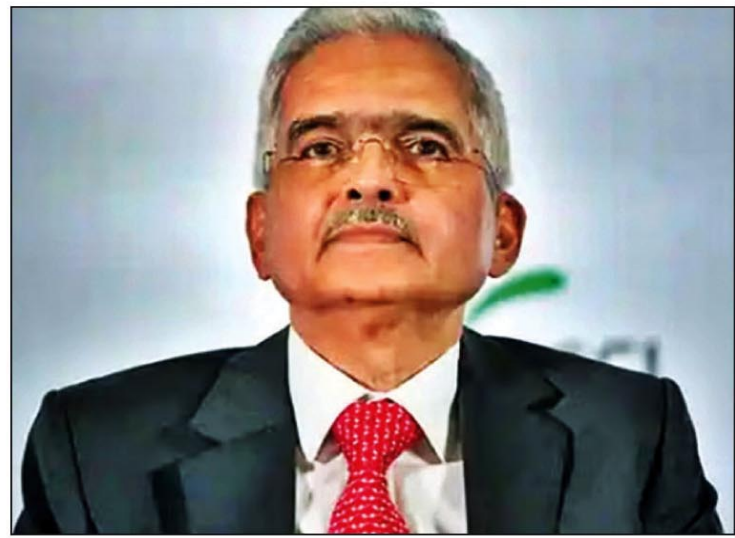
### भारत के गोल्ड रिजर्व में जबर्दस्त बढ़ोतरी

आरबीआई को कहना है कि 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान सोने का भंडार 347 बिलियन अमेरिकी डॉलर बढ़ा है। इस बहुत के बाद भारत का गोल्ड रिजर्व 51.487 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है।

आरबीआई को कहना है कि इस दौरान एसडीआर यानी विशेष आहरण अधिकार घटा है। भारत का एसडीआर 57 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 18.219 बिलियन अमेरिकी डॉलर पहुंच गया है। आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन सप्ताह में आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर कम होकर 4.662 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार 123 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 568.264 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है।

### मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पीएफआई के 3 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए सदस्यों की पहचान अब्दुल ख़ादर पुरुर, अशफ़ बदनरुद्दीन और फ़िरोज के तौर पर की गई है। गिरफ्तार किए गए सदस्यों को विशेष अदालत के समक्ष पेश किया गया। एजेंसी ने तीनों लोगों पर पीएफआई के सदस्य होने का आरोप लगाया है। 2022 में केंद्र ने पीएफआई के आतंकवादी गतिविधियों के साथ संबंध को लेकर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूपीए) के प्रावधानों के तहत प्रतिबंधित कर दिया था।



### न्यूज ब्रीफ

आईपीओ से 70,000 करोड़ जुटा सकती हैं कंपनियां, 2024-25 में शेयर बाजारों में तेज उछाल का मिलेगा फायदा



नई दिल्ली। कंपनियां 2024-25 में प्रारंभिक सार्वजनिक निर्यात (आईपीओ) से 70,000 करोड़ रुपये जुटा सकती हैं। 2023-24 में कंपनियों ने आईपीओ से 62,000 करोड़ रुपये जुटाए थे। शेयर बाजार की तेजी अगले वित्त वर्ष में भी जारी रहने की उम्मीद है। इसलिए, इसका फायदा इश्यू लाने वाली कंपनियों उठा सकती है। विदेशी निवेशकों भी बाजार में अच्छी खासी रकम निवेश कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, 19 कंपनियां मिलकर 25,000 करोड़ रुपये जुटा सकती हैं। इन सबको पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल चुकी है। 37 कंपनियों इश्यू से 45,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इन्होंने सेबी के पास मसौदा जमा कराया है। सभी कंपनियों सेबी से मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। कुल 56 कंपनियों में से नौ कंपनियां नए जमाने की टेक सेक्टर की हैं। ये करीब 21,000 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटा सकती हैं। अगले वित्त वर्ष में आईपीओ की रफ्तार तेज रहने की उम्मीद है। बड़ी कंपनियां भी बाजार में उतरने वाली हैं। इसमें टाटा टेलिकॉम से लेकर बिग बॉस्केट तक शामिल हैं। आईपीओ को जिस वजह से तेजी मिलेगी, उनमें घरेलू पूंजी में वृद्धि, बेहतर गवर्नंस, एफडीआई समर्थन के साथ अनुकूल सरकारी नीतियां और संस्थागत निवेशक शामिल हैं। विशेषज्ञों की मानें तो आम चुनाव के बावजूद अप्रैल व मई में कुछ आईपीओ लॉन्च होते देखेंगे। टाटा समूह अपनी इलेक्ट्रिक कंपनी को बाजार में लिस्ट कराने की योजना बना रहा है। हालांकि, अभी तक रकम का खुलासा नहीं हुआ है। रिवागी भी बाजार में उतरने वाली है।

### गरीबों-वधियों के खिलाफ है कांग्रेस, डिमांड नोटिस को लेकर सीएम सरमा का विपक्ष पर कटाक्ष



दिसपुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने आयकर विभाग के नोटिस को लेकर कांग्रेस पर हमला किया है। सरमा ने कहा है कि अगर पार्टी द्वारा अपने टैक्स का भुगतान नहीं किया जा रहा है, तो इसका सीधा मतलब यह है कि पार्टी गरीबों और वधियों के खिलाफ है। कांग्रेस के सबसे बड़े आलोचकों में से एक सरमा ने कहा है यह पार्टी गरीबों को लाभ देने से इनकार कर रही है। बता दें कि आयकर विभाग ने कांग्रेस को 1700 करोड़ रुपये का डिमांड नोटिस जारी किया है। यह डिमांड नोटिस आकलन वर्ष 2017-18 से 2020-21 के लिए जारी किया गया है, जिसमें जुर्माना और ब्याज शामिल है। इसे लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि इसका मतलब यह है कि कांग्रेस कल्याणकारी गतिविधियों के खिलाफ है। यह पार्टी गरीबों और वधियों के खिलाफ है। उधर इस मामले में विपक्ष ने सतारूद भाषणा पर कर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक बॉन्ड घोटाळा प्रीपेड रिश्वत रूट, पोस्टपेड रिश्वत रूट, पोस्ट-डेड गुप, और श्लोक कंपनियों के माध्यम से किया गया था। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा है कि यह 'टैक्स टेररिज्म' है और इसका इस्तेमाल कांग्रेस पर हमला करने के लिए किया जा रहा है।

### 2024-25 में घटकर 2.1 फीसदी रह जाएगा बैंकों का कुल एनपीए, 2.5-2.7 फीसदी रह सकता है जीएनपीए



मुंबई। घरेलू बैंकों के सकल बुरे फंसे कर्ज (जीएनपीए) 2024-25 के अंत तक घटकर 2.1 फीसदी पर आ सकते हैं। 2023-24 में बैंकिंग प्रणाली का जीएनपीए 2.5-2.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। घरेलू रेटिंग एजेंसी केयर रेटिंग ने कहा, 2015-16 की एक्ज्यूआर प्रक्रिया के कारण जीएनपीए 2013-14 के 3.8 फीसदी से बढ़कर 2017-18 में 11.2 फीसदी पहुंच गया। इसने बैंकों को एनपीए की पहचान करने और गैर-जरूरी पुनर्गठन को कम करने के लिए प्रेरित किया। रिपोर्ट के मुताबिक, जीएनपीए में 2018-19 से सुधार देखा जा रहा है। 2022-23 में यह सुधारकर एक दशक के निचले स्तर 3.9 फीसदी पर आ गया। 2023-24 की दिसंबर तिमाही में जीएनपीए तीन फीसदी था। एजेंसी ने कहा, वसुली और खराब कर्ज को बढ़े खाते में डालने से संपत्ति की गुणवत्ता सुधरी है।

## 1 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचेगा निर्यात, नये बाजारों में 2030 तक बढ़ेगी भारतीय उत्पादों की मांग

नई दिल्ली। दुनियाभर में व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद भारत से निर्यात तेजी से नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। द्विपक्षीय करार, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अफ्रीका, लैटिन अमेरिका व मध्य एशिया जैसे नए बाजारों तक पहुंच से भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात 2030 तक बढ़कर एक लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इन नई पहलों के साथ भारत से कीमती धातुओं, खनिजों, वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पादों, फार्मास्यूटिकल्स, कार्बनिक रसायन, कपड़ा, मसालों और रक्षा उपकरणों के निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई है। इससे भारत से निर्यात फरवरी, 2024 में सालाना आधार पर 11.9 फीसदी बढ़कर 41.4 अरब डॉलर पहुंच गया। यह मार्च, 2023 के बाद सर्वाधिक निर्यात है। इसके अलावा, भारत ने अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मध्य एशिया जैसे नए बाजारों में अप्रैल-दिसंबर, 2023 अवधि के दौरान 23.4 करोड़ डॉलर की कारों, दोपहिया-तिपहिया वाहनों व कीमती धातुओं समेत अन्य उत्पादों का निर्यात किया।

### बेहतर संभावनाओं के बीच लक्ष्य पाना संभव

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, मध्य से लंबी अवधि में भारतीय निर्यात को लेकर संभावनाएं काफी उत्साहजनक हैं। हम 2030 तक एक-एक लाख करोड़ डॉलर की वस्तुओं व सेवाओं दोनों के निर्यात लक्ष्य तक पहुंचने की दिशा में अग्रसर हैं। हालांकि, 2024-25 की पहली तिमाही में उच्च महंगाई व विभिन्न देशों के बीच तनाव से निर्यात के मोर्चे पर भारत को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। सहाय ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिकी फेड रिजर्व अपनी अगली समीक्षा में दरों में कटौती करना शुरू कर देगा। इससे अन्य देश के केंद्रीय बैंक भी दरें घटाने को प्रेरित होंगे, जिससे मांग को बढ़ावा मिलेगा।

### लाल सागर संकट को भारत ने बनाया अवसर

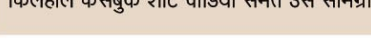
फियो महानिदेशक ने कहा, हम बहुत ही कम अवधि



में संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साझेदार देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि देख रहे हैं। इन देशों में निर्यात में बहुत तेज वृद्धि हो रही है। मौजूदा लाल सागर संकट पर उन्होंने कहा, यह वैश्विक व्यापार के लिए एक नई चुनौती है। लेकिन, भारत ने चतुराई से इस विपरीत स्थिति को अवसर में बदल दिया है। केप ऑफ गुड होप के जरिये लंबे मार्गों को अपनाने से अफ्रीका-अमेरिकी मार्ग में नए बाजार खुल रहे हैं।

### बंद हो रहा 'न्यूज' टैब फीचर, फेसबुक पर समाचारों के लिए नहीं दिखेगी फीड

लॉस एंजलिस। फेसबुक का 'न्यूज' टैब जल्द ही बंद हो जाएगा। यानी अब फेसबुक पर समाचारों के लिए अलग से कोई टैब या फीड नहीं होगा। कंपनी ने कहा कि वह अप्रैल से अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में न्यूज टैब बंद कर देगी और समाचारों के लिए कोई नया व्यापारिक समझौता नहीं करेगी। साथ ही कंपनी ने कहा कि वह भविष्य में समाचार प्रकाशकों के लिए कोई विशेष प्रोडक्ट नहीं लाएगी। अब कंपनी का विचार समाचारों पर कम जोर देने का है। यह सुविधा ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में पिछले साल बंद कर दी गई थी। 'फेसबुक न्यूज' टैब की शुरुआत 2019 में की गई थी। और इसमें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय को जारी किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फेसबुक को इस प्रयोग से भारी उम्मीदें थीं, लेकिन लोग समाचार पढ़ने में दिव्यरूपी नहीं ले रहे हैं। फेसबुक पर केवल तीन प्रतिशत ही समाचार होता है। फिलहाल फेसबुक शॉर्ट वीडियो समेत उस सामग्री पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसे लोग देखना चाहते हैं।



फिलहाल फेसबुक शॉर्ट वीडियो समेत उस सामग्री पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसे लोग देखना चाहते हैं।

## सरकार ने 20 में से 13 मिनेरल ब्लॉक की नीलामी रद्द की, निराशाजनक प्रतिक्रिया बनी कारण

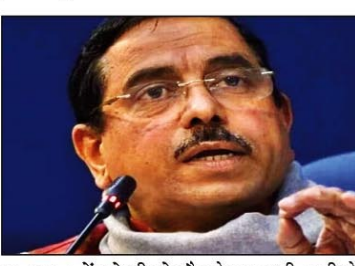
नई दिल्ली। महत्वपूर्ण खनिजों की पहली किशत में बिक्री के लिए रखे गए 20 ब्लॉकों में से 13 की नीलामी सरकार ने रद्द कर दी है। खान मंत्रालय के मुताबिक निराशाजनक प्रतिक्रिया की वजह से यह फैसला लिया गया।

### दो ब्लॉकों के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी

खान मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा, 13 मार्च 2024 की अधिसूचना के जरिए 13 खनिज ब्लॉकों के लिए ई-नीलामी प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था, जिसमें दो ब्लॉकों के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी और 11 ब्लॉकों के लिए तीन से कम तकनीकी रूप से योग्य बोलीदाता (टीक्यूबी) थे।

### सात खदानों को तीसरे दौर में नीलामी के लिए अधिसूचित किया गया

प्रस्ताव पर रखे गए 20 ब्लॉकों में से 18 ब्लॉकों के लिए 56 भौतिक और 56 ऑनलाइन नीलामियां लगीं। रद्द किए गए 11 ब्लॉकों में से



सात खदानों को तीसरे दौर के तहत नीलामी के लिए अधिसूचित किया गया है। छह ब्लॉकों को दूसरे दौर की नीलामी तय कार्यक्रम के अनुसार पूरी हो गई है।

### नीलामी की तीसरी किशत शुरू की

बयान के अनुसार, गुजरात में कुंडोल, निकल और क्रोमियम ब्लॉक पर निर्णय नामित अधिकारी द्वारा उचित समय पर लिया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, सरकार ने महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की नीलामी की तीसरी किशत शुरू की। केंद्र ने अब तक 38 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की नीलामी शुरू की है।

### कारोबारियों को एक अप्रैल से हर हफ्ते देनी होगी गेहूं गंडार की सूचना, केंद्र सरकार का निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र ने गेहूं की जमाखोरी व कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कारोबारियों को इसके भंडार की जानकारी हर सप्ताह सरकारी पोर्टल पर देने का आदेश दिया है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के कारोबारी, थोक कारोबारी, खुदरा विक्रेता, बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता व प्रोसेसरों को एक अप्रैल से भंडार की घोषणा करनी होगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, भंडार की जानकारी हर सरकारी पोर्टल पर अगले आदेश तक देनी होगी। सभी संबंधित वैधानिक संस्थाएं सुनिश्चित करें कि पोर्टल पर भंडार की नियमित व उचित रूप से जानकारी प्रदान की जाए। केंद्र ने पिछले साल गेहूं के दाम नियंत्रित करने के लिए इसकी भंडारण सीमा तय की थी। यह सीमा 31 मार्च को खत्म हो रही है।

## देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल हुआ सस्ता तो कहीं छू रहा आसमान

कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 83 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर निकल गई है। क्रूड 83.12 और ब्रेंट क्रूड 86.97 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ। क्रूड में यह तेजी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर डाल सकती है। छत्तीसगढ़, एमपी और केरल समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल की कीमतें 0.70 पैसे तक बढ़ी हैं, जबकि गुजरात, असम, बिहार और गोवा समेत कुछ राज्यों में इंधन 0.50 पैसे तक सस्ता हुआ है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और



डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर है।

## जी एंटरटेनमेंट ने कॉस्ट कटिंग करने और ऑपरेटिंग मार्जिन के नाम पर की छंटनी

## कंपनी ने टीआईसी के 50 प्रतिशत एमप्लॉइज को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली। जी एंटरटेनमेंट ने बेंगलुरु स्थित अपने टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन सेंटर के 50 प्रतिशत एमप्लॉइज को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी ने यह छंटनी कॉस्ट कटिंग यानी लागत में कटौती और अपने ऑपरेटिंग मार्जिन को बढ़ाने के लिए किया है। जी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसके बारे में जानकारी दी है।

कंपनी का कहना है कि जी एंटरटेनमेंट के बोर्ड से मिली गाइडेंस के बाद टीआईसी को रिस्ट्रक्चर किया गया है। जी बोर्ड ने हाल ही में मैनेजमेंट टीम से वित्त वर्ष 2025 के लिए टीआईसी के खर्च को 600 करोड़ से 50 प्रतिशत कम करने को कहा था।

### हमारा एक्सेप्टानल कटेंट बनाते पर फोकस-गोयनका

जी के एमडी और सीईओ पुनीत गोयनका ने कहा - हम एक्सेप्टानल कटेंट



बनाने पर फोकस है। इसे अचीव करने के लिए हमें एक क्रिएटिव एप्रोच, डिटेल्ड कंज्यूमर इनसाइट और फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के मिक्सअप की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ये कदम कंपनी के लिए कटिन्ग ग्रांथ को बढ़ावा देने के लिए रिसोर्सिंग को अनुकूलित करने और कॉस्ट इफैक्टिव स्ट्रक्चर तक पहुंचने के अप्रोच के अनुरूप

मार्जिन तक पहुंचना चाहता है। इसके लिए बोर्ड के मैनेजमेंट ने पांच बिल्डिंग - मार्गो नेटवर्क (शुगरबॉक्स), टेलीप्ले एंड जिंदगी, हिप्पी, वेय्याक और लीनियर टीवी बिजनेस के इंग्लिश क्लस्टर से घाटे में कटौती करना चाहता है।

### जी के देश में 50 चैनल और 40 से ज्यादा इंटरनेशनल चैनल

जी ग्लोबल कंटेंट कंपनी है, जो देश में 50 चैनल चलाती है। इसमें हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल, रोजनल एंटरटेनमेंट चैनल, हिंदी मूवी चैनल और अन्य चैनल शामिल हैं। इसके साथ ही कंपनी 120 देशों में 40 से ज्यादा चैनल चलाती है। इसका एक डिजिटल प्लेटफॉर्म जी 5 भी है। जी ने अपना पहला चैनल जी टीवी 1992 में लॉन्च किया था।

### जीएनएम पर चालू वित्त वर्ष में अमी तक खरीद चार लाख करोड़ रुपये के लिए, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली। देश के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की अधिक खरीद गतिविधियों से चालू वित्त वर्ष में अभी तक सरकारी मंच जीएनएम के जरिए वस्तुओं तथा सेवाओं की खरीद चार लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों द्वारा वस्तुओं व सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) मंच की शुरुआत नौ अगस्त 2016 को की गई थी। जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीके सिंह ने पत्रकारों से कहा, '28 मार्च तक खरीद चार लाख करोड़ रुपये को पार कर गई। यह ऐतिहासिक है।' वित्त वर्ष 2021-22 में खरीद मूल्य 1.06 लाख करोड़ रुपये था और पिछले वित्त वर्ष में यह दो लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। उन्होंने कहा कि मंच से सेवाओं की खरीद वित्त वर्ष 2022-23 में 66,000 करोड़ रुपये से बढ़कर चालू वित्त वर्ष में अभी तक 2.05 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इसी तरह चालू वित्त वर्ष में 28 मार्च तक मंच से 1.95 लाख करोड़ रुपये की वस्तुएं खरीदी गईं। 'वर्तमान में सरकारी विभागों, मंत्रालयों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों, राज्य सरकारों तथा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को इस मंच के जरिए लेनदेन करने की अनुमति है। दुनियाभर में इस तरह के मंचों की सूची में दक्षिण कोरिया का केओएनईपीएस शीर्ष पर है।





# महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में बड़ी कार्रवाई, गोवा पुलिस ने आरोपी दीपक को किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** महिला खिलाड़ियों से मारपीट मामले में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की अकार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को गोवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

शनिवार को खेल मंत्रालय ने सखी दिखाते हुए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। इस बात की जानकारी खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी। दरअसल, दो महिला खिलाड़ियों ने गोवा में जारी भारतीय महिला लीग के दौरान एआईएफएफ के एक सदस्य पर नशे की हालत में शारीरिक उत्पीड़न और हिंसा का आरोप लगाया।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने इस मामले में सखी दिखाते हुए एआईएफएफ को कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'गोवा में चल रही भारतीय महिला लीग के दौरान महिला फुटबॉलरों पर उनके कोच द्वारा कथित शारीरिक हमले को गंभीरता से लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को इस पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।'

## व्या है मामला

मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश स्थित क्लब खाद एफसी से संबंधित दो खिलाड़ियों ने गोवा में जारी भारतीय महिला लीग के दौरान एक होटल के कमरे में एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा को खिलारा शारीरिक उत्पीड़न की शिकायत की है। दोनों ने आरोप लगाया कि शर्मा ने नशे की हालत में उनके साथ मारपीट की और उन्हें थप्पड़ मारा। गोवा फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) और एआईएफएफ ने इसकी शिकायत दर्ज होने की बात स्वीकार की है।

## नशे की हालत में की मारपीट

पलक वर्मा और रितिका ठाकुर ने तीन गवाहों के साथ शिकायत दर्ज कराई। इसमें कहा गया, 'गुरुवार को जैसे ही रात का खाना खत्म हुआ, हम अंडे उबालने के लिए अपने कमरे में चले गए। इसी बात से दीपक शर्मा नाराज हो गए और हमारे कमरे में घुस आए। उन्होंने हमें थप्पड़ मारा और हम पर शारीरिक हमला किया। वह हमारे सामने शराब पी रहे थे।'

## न्यूज़ वीफ

### महिला विरोधी टिप्पणी करने पर मड़की साइना नेहावाल, कांग्रेस के इस कटाव नेता को लताड़ा

**नई दिल्ली।** भारत की पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहावाल दावणगेरे सीट से भाजपा की उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरी पर की गई महिला विरोधी टिप्पणी पर भड़क उठीं। साइना ने कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता शमनूर शिवशंकरप्पा की आलोचना की जिन्होंने गायत्री पर हाल ही में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। दावणगेरे दक्षिण से मौजूदा कांग्रेस विधायक 92 वर्षीय शिवशंकरप्पा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और मौजूदा सांसद सिद्धेश्वरी जीएम की पत्नी गायत्री पर महिला विरोधी टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि गायत्री केवल रसोई में खाना बनाना जानती हैं। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी और भाजपा नेता साइना शिवशंकरप्पा के बयान से भड़क उठीं और उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट डाल उनकी कड़ी आलोचना की। साइना ने लिखा, 'कर्नाटक के एक वरिष्ठ नेता शिवशंकरप्पा का कहना है कि महिलाओं को सिर्फ रसोई में काम करने तक सीमित रहना चाहिए। दावणगेरे से भाजपा उम्मीदवार गायत्री सिद्धेश्वरी पर की गई लैंगिक टिप्पणी की कम से कम ऐसी पार्टी से उम्मीद नहीं की जा सकती जिनका नारा है लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ।' उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ने की आशा रखती हैं, ऐसे में महिलाओं के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी हरान करने वाली है। 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली नेहावाल ने कहा, 'जब मैंने देश के लिए पदक जीते तो कांग्रेस पार्टी मुझसे क्या चाहती थी। मुझे क्या करना चाहिए था? जब सभी लड़कियां और महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करने का सपना देखती हैं तो इस तरह का बयान क्यों दिया जा रहा है। एक तरफ हम नारी शक्ति को बढ़ाने कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला आरक्षण विधेयक पास किया गया, जबकि दूसरी ओर नारी शक्ति का अपमान करने वाले लोग हैं। यह बहुत ही परेशान करने वाला है।'

### नीरज चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग से करेगे नए सत्र की शुरुआत ओलंपिक खिताब बचाना होगा लक्ष्य

**नई दिल्ली।** भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 10 मई से डायमंड लीग सीरीज के दोहा चरण में अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा के अलावा भारतीय खिलाड़ी किशोर जेना भी कतर की राजधानी में होने वाले डायमंड लीग चरण में अपनी शुरुआत करेंगे। वहीं जेना 2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में पांचवां स्थान प्राप्त किया था और उन्होंने हांगझोउ में 87.54 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ रजत पदक जीता था। चोपड़ा ने पिछले सत्र का समाप्त चीन में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के साथ किया था। चोपड़ा ने कहा कि इस साल, उनका लक्ष्य अपने ओलंपिक खिताब को बचाए रखना है, लेकिन 90 मीटर की बाधा को पार करना भी उनके लिए बहुत मायने रखेगा। दोहा चरण में अच्छी प्रदर्शियां ओलंपिक में रजत और 2023 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीता था। चोपड़ा ने कहा कि वह भारतीयों से मिलने वाले गर्मजोशी भर समर्थन से हमेशा अभिभूत रहता हूँ, उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छे प्रदर्शन के साथ उच्च भरोसा पर खरा उतरूंगा। दोहा मीट 2024 डायमंड लीग सीरीज का तीसरा चरण है। डायमंड लीग 4 अलग-अलग महाद्वीपों में कुल 15 चरण में आयोजित होता है। इसका आगाज 20 अप्रैल को जिनिया में हुआ जबकि ब्रूसेल्स (13-14 सितंबर) में आखिरी चरण का होगा।

### शुरुआती मैचों में विफल रहे हैं आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी स्टार्क

**बेंगलुरु।** ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को इस बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने सबसे महंगी कीमत देकर नीलामी में खरीदा था पर वह अब तक असफल रहे हैं और एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं। केकेआर ने स्टार्क पर आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी रकम 24.75 करोड़ रुपए की बोली लगायी थी। उसे उम्मीद थी कि स्टार्क के आने से उसकी गेंदबाजी बेहतर होगी पर बतक ऐसा नजर नहीं आया है। शुरुआती मैचों में स्टार्क केकेआर की उम्मीदों को पूरा करते नहीं दिखे हैं। स्टार्क अब तक खेले दो मैच में एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं। केकेआर ने हालांकि अपने दोनो मैचों को जीता है पर इसमें स्टार्क की भूमिका नहीं रही है। उसकी जीत में आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, सुनील नरेन और फिल साटल की बड़ी भूमिका रही है। रसेल ने 2 मैच में 4 विकेट लेने के अलावा 64 रन भी बनाए हैं। हर्षित ने 5 विकेट लिए हैं। सुनील नरेन ने 49 रन बनाए हैं और 2 विकेट भी लिए हैं। वहीं फिल साटल ने सबसे ज्यादा 84 रन बनाये हैं। वहीं केकेआर के टीम मैनेजमेंट को अब भी स्टार्क की क्षमताओं पर पूरा भरोसा भी है। केकेआर के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने कहा, 'स्टार्क के पास काफी अनुभव है। उन्हें पता है कि अच्छे प्रदर्शन करने के लिए क्या करना जरूरी होता है या हालातों से किस प्रकार से तालमेल बैठाया जा सकता है।'

# आईपीएल लीग मैच में कोलकाता ने बेंगलुरु को 7 विकेट से हराया

**विराट और गंभीर बीच मैच में गले मिले: सिक्स पड़ने के बाद हर्षित ने डुप्लेसी को आउट किया, मैक्सवेल के 2 कैच छूटे**



## गावस्कर ने विराट के आलोचकों को फटका

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। विराट इस सत्र में शानदार लय में दिखे हैं। उन्होंने केकेआर के खिलाफ 83 रन बनाये। ये इस सत्र में उनका दूसरा अर्धशतक है। विराट ने केकेआर के खिलाफ 59 गेंदों पर 4 चौके और 4 छक्के लगाए हालांकि इससे बाद भी वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। विराट ने पूरे 20 ओवर तक बल्लेबाजी की पर अंतिम 5 ओवरों में वह तेजी से नहीं खेल पाये। जिसपर प्रशंसक उनकी आलोचना करने लगे। इसी को लेकर गावस्कर ने आलोचकों को फटकारा है। वह अंतिम 5 ओवरों में वह रन के लिए संघर्ष करते दिखे। इस दौरान उन्होंने 16 गेंदों पर 21 रन बनाए। गावस्कर ने कोहली की धीमी बल्लेबाजी कर कारण बताया। गावस्कर ने कहा कि जैसा मैं कह रहा हूँ यदि ऐसा होता तो शायद विराट 83 की जगह 120 रन बनाते।

गए। डु प्लेसिस ने 6 बॉल पर 8 रन बनाए।

**2. जीवनदान के बाद कैच आउट हुए मैक्सवेल-रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विस्फोटक बैट्टर ग्लेन मैक्सवेल 2 जीवनदान मिलने का भी फायदा नहीं उठा सके। 13वें ओवर की दूसरी बॉल पर रमनदीप सिंह ने डीप मिड-विकेट पोजिशन पर उनका कैच छोड़ा। इस वक्त वह 12 रन पर बैटिंग कर रहे थे। यहाँ सुनील नरेन बॉलिंग कर रहे थे।**

14वें ओवर में फिर सुनील नरेन ने ही स्ट्राइक में कप्तानी का स्थान लेने के लिए मगाने के उद्देश्य के साथ एबटाबाद में सैन्य अकादमी का कुलु जा रहे हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ताओं की टीम मौजूदा कप्तान शाहीन शाह आफरिदी की जगह बाबर आजम को टी20 और अन्य सभी प्रारूपों के लिए कप्तान की भूमिका निभाने के लिए मनाने के लिए काकुल में होगी।

सूत्र ने पुष्टि की, यह निर्णय पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और चयनकर्ताओं के बीच देर रात हुई बैठक से सामने आया। विवरण के अनुसार, चयनकर्ता आगामी टी20 विश्व कप तक बाबर आजम को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनाने के लिए मनाएंगे। दूसरी ओर, बाबर आजम को कप्तान के रूप में दीर्घकालिक स्थिति में प्रवेश करने में अधिक रुचि है, जिसे टी20 विश्व कप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

मैक्सवेल इस वक्त 21 रन के स्कोर पर बैटिंग कर रहे थे।

मैक्सवेल अपने 2 जीवनदान का ज्यादा फायदा नहीं उठा सके और 15वें ओवर में कैच आउट हो गए। उन्हें सुनील नरेन ने पवेलियन भेजा। मैक्सवेल डीप पॉइंट पोजिशन पर रिकू सिंह के हाथों कैच हुए। उन्होंने 19 बॉल पर 28 रन बनाए।

**3. बीच मैच में गले मिले विराट और गंभीर-** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बैट्टर विराट कोहली और कोलकाता नाइट राइडर्स के मॅटर गौतम गंभीर बीच मैच में गले मिलते नजर आए। यह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बैटिंग के दौरान ट्रिक्स ब्रेक के दौरान हुआ। दोनों ने मैच खत्म होने के बाद एक-दूसरे से हाथ मिलाया और फिर से गले भी मिले।

दोनों का गले मिलना इसलिए स्पेशल है क्योंकि पिछले साल इन्हीं 2 प्लेयर्स के बीच हुई बहस ने सुर्खियां बटोरी थीं। तब विराट तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का ही हिस्सा थे और गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के मॅटर थे। तब मैच के बाद दोनों गुस्से में एक-दूसरे से बहस करते नजर आए थे। 2013 में गंभीर जब कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे, तब भी दोनों के बीच मैदान में बहस हुई थी। इसलिए दोनों का अब गले मिलना स्पेशल है।

**4. श्रेयस ने लगाया विनिंग सिक्स-**कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सिक्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। 17वें ओवर की पांचवां बॉल मयंक डगार ने शॉर्ट पिच फेंकी। श्रेयस बैकफुट पर गए और मिड-विकेट की दिशा में सिक्स लगा दिया। श्रेयस ने 24 बॉल पर 39 रन बनाए।

# अब आर-पार के मूड में आया डब्ल्यूएफआई, खेल मंत्रालय के निलंबन नहीं हटाने पर लेगा यह अहम फैसला



**नई दिल्ली।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) में विवाद धमने का नाम नहीं ले रहा है। डब्ल्यूएफआई ने विशेष आम बैठक (एजीएम) बुलाई और उसमें यह फैसला लिया कि अगर केंद्रीय खेल मंत्रालय उस पर लगाए निलंबन पर विचार नहीं करता है तो वह सरकारी खर्च के बिना काम करना शुरू कर देगा। खेल मंत्रालय ने संजय सिंह की अनुआई वाली नई डब्ल्यूएफआई की कार्यकारी समिति पर खेल संहिता के उल्लंघन के आरोप के चलते निलंबन लगाया हुआ है।

**सरकार से निलंबन हटाने का अनुरोध करेगा डब्ल्यूएफआई-** डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने कहा, एजीएम के दौरान इस बात पर सहमत बनी है कि हम सरकार से निलंबन हटाने का अनुरोध करेंगे। डब्ल्यूएफआई ने निलंबन हटा लिया है और आईओए ने भी तदर्थ समिति भंग कर दी है इसलिए डब्ल्यूएफआई पर लगाए गए निलंबन को जारी रखने का कोई मतलब नहीं है। अगर खेल मंत्रालय हमारे अनुरोध पर विचार नहीं करता है और विचिंत्य सहायता प्रदान करने के खिलाफ फैसला लेता तो हम भी सरकार से कोई खर्च किए बिना अपना काम करेंगे।

**डब्ल्यूएफआई ने अपने संविधान में किया संशोधन-** एजीएम के दौरान डब्ल्यूएफआई ने अपने संविधान में एक अहम संशोधन किया है। इसके अनुसार अब नए पद पर चुनाव लड़ने वाले किसी उम्मीदवार को दो तिहाई बहुमत से जीतने की जरूरत नहीं होगी।

# टी20 वर्ल्ड कप खेलने का सपना टूटने पर भड़के उन्मुक्त, यूएसए टीम मैनेजमेंट पर जड़ा आरोप

**नई दिल्ली।** यूएसए ने कनाडा के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। इस टीम में भारत के पूर्व खिलाड़ी उन्मुक्त चंद को जगह नहीं दी गई। टीम में नहीं चुने जाने के बाद उन्मुक्त चंद ने खराब सिस्टम का का हवाला देकर यूएसए क्रिकेट को आलोचना की है। साथ ही इसे बदलने की सलाह भी दे दी।

उन्मुक्त चंद ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग, मेजर लीग क्रिकेट और ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग सहित दुनिया भर की विभिन्न टी20 लीगों अपना जलवा बिखरा है। वह एमएलसी के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्मुक्त ने 45 पारियों में 1500 रन बनाए हैं। हालांकि, अच्छे प्रदर्शन करने के बावजूद, वह यूएसए की राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में असफल रहे।



**कोरी एंडरसन, मिलिंद कुमार और हरमीत सिंह को टीम की तरफ से कॉल-अप मिला है। एंडरसन ने न्यूजीलैंड के लिए 6 साल तक खेला और सबसे तेज वनडे शतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। मिलिंद और हरमीत आईपीएल में बेंगलुरु और राजस्थान का हिस्सा रह चुके हैं।**

**यूएसए टीम**

मोनांक पटेल (कप्तान), एरोन जोन्स (उप-कप्तान), एंड्रयू गौस, कोरी एंडरसन, गजानंद सिंह, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितेश कुमार, नोशतुश केनजिगे, सौरभ नेजावलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, उस्मान रफीक आदि खिलाड़ी शामिल हैं।

# काकुल में पीसीबी चयनकर्ता बाबर आजम को सभी प्रारूपों में कप्तानी देने के लिए बातचीत करेंगे

**एबटाबाद।** चयनकर्ताओं और पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बीच हुई बैठक के बाद; चयनकर्ता स्टार पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम से मिलने और उन्हें राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए सभी प्रारूपों में कप्तानी का स्थान लेने के लिए मनाने के उद्देश्य के साथ एबटाबाद में सैन्य अकादमी का कुलु जा रहे हैं। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ताओं की टीम मौजूदा कप्तान शाहीन शाह आफरिदी की जगह बाबर आजम को टी20 और अन्य सभी प्रारूपों के लिए कप्तान की भूमिका निभाने के लिए मनाने के लिए काकुल में होगी।

सूत्र ने पुष्टि की, यह निर्णय पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और चयनकर्ताओं के बीच देर रात हुई बैठक से सामने आया। विवरण के अनुसार, चयनकर्ता आगामी टी20 विश्व कप तक बाबर आजम को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनाने के लिए मनाएंगे। दूसरी ओर, बाबर आजम को कप्तान के रूप में दीर्घकालिक स्थिति में प्रवेश करने में अधिक रुचि है, जिसे टी20 विश्व कप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।



सूत्र ने खुलासा किया, बाबर ने पीसीबी को पहले ही बता दिया है कि वह सभी प्रारूपों में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करना चाहता है और टी20 प्रारूप में कप्तानी पर विचार करने के लिए इसे पूर्ण शर्त के रूप में रखा है। स्टार बल्लेबाज के करीबी सूत्रों ने भी बाबर आजम को पीसीबी के सामने अपनी मांग रखने की सलाह दी है क्योंकि यह सही समय है।

सूत्र ने कहा, पीसीबी अभी कमजोर है। वे टी20 विश्व कप के लिए बाबर को चाहते हैं और बोर्ड की कमजोर स्थिति के कारण उन्हें उनकी मांगों से सहमत होना होगा।

जबकि पीसीबी चयनकर्ता अगले टी20 कप्तान पर चर्चा कर रहे हैं और बाबर आजम से

संपर्क कर रहे हैं; पीसीबी के फैसले पर मौजूदा कप्तान शाहीन शाह आफरिदी को अंधेरे में रखा गया है। सूत्र ने कहा, पीसीबी और शाहीन शाह आफरिदी के बीच स्पष्ट रूप से संवाद की कमी है, जो चिंताजनक है। किसी भी चयनकर्ता और न ही पीसीबी अध्यक्ष ने खुद शाहीन शाह आफरिदी से उनके प्रतिस्थापन के बारे में चल रही चर्चा के संदर्भ में संपर्क किया है।

लेकिन संभावित बदलाव की खबर ने कई लोगों की भीहूँ चढ़ा दी है, जिन्होंने इस मामले पर चुप रहने और अफवाहों और अटकलों को बहस में जगह देने के लिए पीसीबी की आलोचना की है।

पूर्व क्रिकेटर शाहिद आफरिदी ने कहा है कि शाहीन शाह आफरिदी को हटाना अनुचित होगा, वह भी तब जब उन्होंने केवल एक सीरीज में टीम का नेतृत्व किया हो।

शाहीन आफरिदी आगामी विश्व कप के लिए सक्रिय रूप से तैयारी कर रहे हैं और उन्होंने इमाद वसीम और मोहम्मद आमिर को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने और अपनी सेवानिवृत्ति वापस लेने के लिए मनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

# हॉकी इंडिया वर्ष 2023 में दो पुरस्कारों के लिए भारतीय पुरुष टीम के खिलाड़ी उत्साहित अबामिषेक ने दो श्रेणियों में अपने नामांकन का श्रेय टीम को दिया

**नई दिल्ली।** हॉकी इंडिया वार्षिक 2023 में दो पुरस्कारों के लिए नामांकित होने के बाद भारतीय पुरुष टीम के फॉरवर्ड अभिषेक काफी उत्साहित हैं, जो नई दिल्ली में एक समारोह में प्रस्तुत किए जाएंगे। अभिषेक, जिन्होंने अपने निरंतर प्रदर्शन के लिए एक जबरदस्त वर्ष का आनंद लिया, जो दो श्रेणियों में नामांकित किया गया है - हॉकी इंडिया धनराज पिल्ले पुरस्कार फॉरवर्ड ऑफ द ईयर 2023 (पुरुष) और हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर में फेले कुल 32 नामांकन ने इन वार्षिक पुरस्कारों के लिए शॉर्टलिस्ट में स्थान हासिल किया है।

प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में ओलंपियन रचबीर लाल, ए.एस. बख्शी, हरबिंदर सिंह, अशोक दीवान, जफर इकबाल, अजीत पाल सिंह, रोमियो जेम्स, जगबीर सिंह, एम.पी. सिंह, और

विनीत कुमार सहित हॉकी के दिग्गज शामिल होंगे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिकी, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे. मनोहरन, हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों के साथ उपस्थित होंगे। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में आर. निनील कृष्णा, आईएएस, आयुक्त-सह-सचिव डीएसवाईएस, ओडिशा, डॉ. अतुल मिश्रा, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, तमिलनाडु सरकार, और मेघनाथ रेड्डी, आईएएस, सदस्य सचिव एसडीएटी, तमिलनाडु शामिल हैं। अपने दोहरे नामांकन पर बोलते हुए, अभिषेक ने कहा, इस साल दो श्रेणियों में नामांकित होना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं हॉकी इंडिया के सहयोगी स्टाफ, हमारे कोचों और अपने साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने लगातार मेरा



समर्थन किया। जब भी मुझे जरूरत पड़ो, उन्होंने मुझे सलाह दी। उनके निरंतर समर्थन के कारण, मुझमें आत्मविश्वास आया और मैं स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन करने में सक्षम हुआ।

एफआईएफ ओडिशा हॉकी पुरुष हॉकी विश्व

कप 2023 भुवनेश्वर-राउरकेला में छह मैचों में तीन गोल करने वाले अभिषेक ने हांगझोउ एशियाई खेलों में अपना फॉर्म जारी रखा, जहां उन्होंने सात मैचों में नौ गोल किए, जिससे उनकी टीम को स्वर्ण पदक जीतने में मदद मिली।

पिछले महीने राउरकेला में एफआईएफ पुरुष हॉकी प्रो लीग 2023/24 में हॉकी भारत की रोमांचक 2-2 (8-7 शूट आउट) की जीत के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। पिछले साल को याद करते हुए, अभिषेक ने कहा, यह भरे लिए एक अच्छा साल था। हर बार जब मैं भारतीय जर्सी पहनकर मैदान पर उतरता हूँ, तो मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होता है कि मैं अपनी टीम को वांछित परिणाम दिलाने में मदद करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँ। एक विजिति में हॉकी इंडिया द्वारा उनके हवाले से कहा गया, व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक, यह यह सुनिश्चित करने

के बारे में है कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे और वे मुझे सही समय पर वांछित स्थिति में ढूंढने में सक्षम हों, और मैंने इस वर्ष इसी पर काम किया है। मुझे उम्मीद है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम सुधार करते रहेंगे चालू वर्ष में आगे।

पेरिस ओलंपिक नजदीक आने के साथ, भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व नंबर 5 टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। दोहरे के महत्व पर अभिषेक ने कहा कि आगामी श्रृंखला भारतीय टीम के लिए ओलंपिक से पहले प्रमुख क्षेत्रों पर काम करने का मौका है। यह हर किसी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि पेरिस ओलंपिक आ रहा है। हमारी टीम प्रमुख प्रतियोगिताओं से पहले खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इसलिए, हम सभी व्यस्त में खुद को और अपनी रणनीतियों को परखने के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा का इंतजार कर रहे हैं।



## फायदे ही नहीं नुकसान भी पहुंचाता है ऐलोवेरा



एलोवेरा एक ऐसा पौधा है जिससे कई सारे फायदे मिलते हैं। यह त्वचा को निखारने और बालों को मजबूत बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा एलोवेरा जूस सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसके ज्यादा सेवन से शरीर को नुकसान भी हो सकता है।

**कमजोरी :** एलोवेरा जूस का

अधिक या गलत तरीके से सेवन किया जाए तो शरीर में पोटेसियम की कमी हो जाती है जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है और कमजोरी महसूस होने लगती है।

**दस्त :** एलोवेरा में लैक्सेटिव और एंथ्राक्विनोन तत्व होते हैं जो पेट में कई तरह की परेशानियां पैदा करते हैं। एलोवेरा जूस का अधिक सेवन करने

से दस्त लग जाते हैं। इसके अलावा जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या होती है उन्हें एलोवेरा का सेवन नहीं करना चाहिए।

**गर्भपात :** गर्भवती महिला को कभी भी एलोवेरा जूस का सेवन नहीं करना चाहिए। इससे गर्भ में पल रहे बच्चे को नुकसान हो सकता है। इसके अलावा जो महिलाएं अपने

बच्चे को स्तनपान करवाती हैं उनके लिए भी यह जूस खतरनाक साबित हो सकता है।

**दवा का कम असर :** कई लोग किसी लंबी बीमारी की वजह से दवाओं का सेवन करते हैं। ऐसे में उन्हें एलोवेरा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इससे शरीर पर दवा असर नहीं करेगी और नुकसान होगा।

### अधिकार

## परिवार में बच्चों के भी हैं कानूनी अधिकार



बच्चों द्वारा पैरेंट्स के खिलाफ केस दर्ज कराने के मामले भारत में काफी कम देखने को मिलते हैं, लेकिन यूरोपीय देशों में यह अक्सर होता है। भारत में भी जहां तक बच्चों के अधिकार का सवाल है तो बच्चे मारपीट या किसी भी तरह की प्रताड़ना से कानून में पूरी तरह प्रोटेक्टड हैं। राइट-टू-एजुकेशन ऐक्ट के तहत टीचर भी बच्चे को डटा-धमका और पीट नहीं सकते। ऐसा करने पर केस दर्ज होगा और उनकी नौकरी भी जा सकती है।

### तथा कहता है जेजे ऐक्ट

सीनियर ऐडवोकेट रमेश गुप्ता बताते हैं कि अगर बच्चे को पैरेंट्स टावर करते हैं या पीटते हैं तो जेजे (ज्वनाइल जस्टिस) ऐक्ट में पुलिस से शिकायत की जा सकती है। यदि बच्चे को चोट पहुंची है तो फिर आईपीसी के तहत केस दर्ज होगा। आईपीसी हो या जेजे ऐक्ट कानून में कहीं भी पैरेंट्स अपवाद नहीं हैं। जेजे ऐक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर 6 महीने तक की सजा हो सकती है। यह मामला जमानती है।

### नाप सकते हैं IPC में

ऑल इंडिया पैरेंट्स असोसिएशन के प्रेसिडेंट और हाई कोर्ट के वकील अशोक अग्रवाल बताते हैं कि मारपीट पर आईपीसी की धारा 323 के तहत केस दर्ज होगा, जो गैर-संज्ञेय है। इसमें आरोपी को गिरफ्तारी नहीं होगी।

बच्चे को कोर्ट में खुद ही अपना केस लड़ना होगा और जुर्म साबित होने पर जुर्माना या एक साल की कैद हो सकती है। लेकिन नुकरीले हथियार से मारने पर धारा 324 लागू है, जिसमें 3 साल तक की सजा का प्रावधान है। जानलेवा चोट पहुंचाने पर 326 के तहत मुकदमा दर्ज होगा, जिसमें 10 साल तक या उग्रकैद तक सजा का प्रावधान है। सिर पर चोट लगने पर 308 (गैर-इरादतन हत्या का प्रयास) का केस बनेगा। इसके तहत 3 से 7 साल तक कैद हो सकती है। 326 और 308 दोनों गैर-जमानती हैं। अन्य धाराओं के तहत अलग-अलग सजा का प्रावधान है।

### मुकदमा होने पर क्या करें

ऐडवोकेट रमेश गुप्ता बताते हैं कि केस दर्ज होने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत जमानत लेनी होगी। मामला समझौतावादी होने पर पिता-बच्चे की इच्छा से कॉम्प्रोमाइज हो सकता है, लेकिन गंभीर धाराओं (326 और 308) में एफआईआर दर्ज होने पर मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। गैर-समझौतावादी मामलों में सिर्फ हाई कोर्ट से ही एफआईआर रद्द हो सकती है। हालांकि कोर्ट में बच्चे को पीटने के पीछे का मोटिव भी देखा जाता है। यदि गलत हरकत से रोकने के लिए या ना पड़ने पर पीटा गया हो तो बचाव पक्ष इसकी दलील देकर सजा में राहत हासिल कर सकता है।

जीवन में सफलता की सीढ़ियां चढ़ने के लिए आत्मविश्वास बहुत जरूरी है। चाहे और कितना ही पढ़-लिख लें लेकिन आत्मविश्वास के बिना आपका ज्ञान भी अधूरा है। बिना आत्मविश्वास के सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती है। अगर आपको अपने ऊपर ही विश्वास नहीं होगा तो आप दूसरों को कैसे अपने ऊपर विश्वास करने के लिए कह सकते हैं। अक्सर लोगों में इसकी कमी देखी जाती है, जो लाइफ में कई तरह की दिक्कों को सामने लाकर खड़ा कर देता है। अगर आप भी अपने आत्मविश्वास (Self-confidence) को बढ़ाकर सफलता की सीढ़ी चढ़ना चाहते हैं तो आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे, जो आपको आत्मविश्वास को बढ़ावा देंगे।

### 1. अपनी प्रशंसा करें

अपने आप को सबसे बेहतर समझें। खुद को दूसरों से ज्यादा पसंद करें। अपने मन में हमेशा यह बात रखें कि मैं कुछ भी कर सकती हूँ। किसी भी काम में बेहतर हूँ।

### 2. सफलता की कल्पना करें

किसी शांत जगह पर बैठकर किसी कार्यक्रम या परिस्थिति सोच-विचार करें। इससे आपका आत्मविश्वास और बढ़ेगा। इतना ही नहीं, बल्कि अपन कल्पना में ही उस काम को पूरा करने की कोशिश करें। इस समय आपके मन में जो भी विचार और भावना आएगी, उसे नजरअंदाज करने के बजाए महसूस करें।

### 3. निजी विज्ञापन तैयार करें

घर में ही अपने बारे में कुछ लिखकर विज्ञापन तैयार करें। फिर उसे पुरे आत्मविश्वास से शूट करें। अब कभी भी आपको अपने आत्मविश्वास कम लगे तो उस शूट को दोबारा से देखें। इससे आपको मनोबल बढ़ेगा।



## इन नियमों से दिनों-दिन बढ़ेगा आत्मविश्वास

आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए हम आपको कुछ नियमों से दिनों-दिन बढ़ेगा आत्मविश्वास।

### 4. तैयार करें सपनों की उड़ान

घर की दीवार या फिर विजन बोर्ड तैयार करके उसपर प्रेरणा देने वाली तस्वीरें, प्रेरक वाक्य चिपका दें। फिर रोज सुबह उठते समय और रात को सोने से पहले उनपर एक नजर डालें। इससे आपका आत्मविश्वास

और बढ़ेगा।

### 5. छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

अपने सामने छोटे-छोटे लक्ष्य रखें और उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे भी इन लक्ष्य को पूरा करने की हिम्मत रखेंगे।



## ऑफिस के तनाव को इस तरह मिनटों में करें दूर

भा गद्दी भरी जिंदगी में आराम के लिए बहुत कम समय मिल पाता है। जिस वजह से व्यक्ति हर समय थका महसूस करता है। आजकल ज्यादातर ऑफिस में कंप्यूटर का काम ही किया जाता है जिससे सारा दिन एक ही पोजिशन में बैठकर काफी थकावट हो जाती है। ऐसे में खुद को फ्रेश रखने के लिए कुछ काम जरूर करने चाहिए।

1. टहलना : एक ही जगह बैठे-बैठे काफी

थकावट हो जाती है। इसके लिए अपनी सीट से उठकर थोड़ा टहलना जरूरी होता है। इससे मांसपेशियां को ऑक्सीजन मिलता है जिससे शरीर और दिमाग दोनों फ्रेश हो जाते हैं।

2. पानी पीएं : काम के दौरान अक्सर पानी का कम सेवन किया जाता है। शरीर में पानी की कमी के कारण भी थकावट महसूस होती है। ऐसे में खूब पानी पीएं और उन फलों का अधिक सेवन करें जिसमें अधिक मात्रा में पानी हो।

3. अधिक खाना : लंच टाइम में जरूरत से

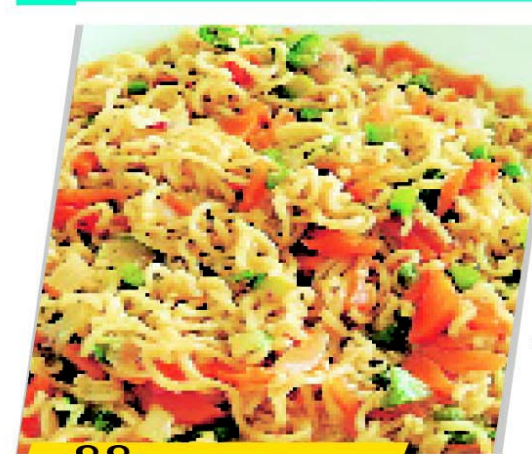
ज्यादा खा लेने से आलस पड़ जाता है लेकिन न सो पाने की वजह से अधिक थकान महसूस होती है।

4. बातें करें : जब भी शरीर को थकान महसूस हो उस समय अपने साथी से बातें करें। बात करने से ध्यान दूसरी तरफ हो जाता है और थकावट भी कम हो जाती है।

5. गाने सुनें : ऑफिस में काम के साथ-साथ कंप्यूटर या फोन पर गाने भी सुन सकते हैं। इससे बॉडी फ्रेश महसूस करेगी और थकावट भी नहीं होगी।

6. चाय या कॉफी : काम के दौरान चाय या कॉफी का सेवन जरूर करें। इसमें मौजूद कैफिन शरीर को ऊर्जा देता है और थकान भी दूर करता है।

### रेसिपी



### विधि

एक पैन में एक कप पानी लेकर इसमें मैगी डाल दें और इसमें नमक और थोड़ा सा तेल डाल लें। मैगी पकने पर इसे छलनी में डालकर पानी सुखा लें। एक पैन में तेल गर्म करके इसमें शिमला मिर्च, ब्रोकोली और बेबी कॉर्न डालकर 3-4 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें सोया सॉस, चिली सॉस और पनीर डालकर पकाएं। अब इसमें मैगी डालकर अच्छे से मिव्स करें। मैगी बनकर तैयार है, इसे सर्व करें।

### चिली पनीर मैगी

### सामग्री

1 पेट्टे मैगी, 1 कप पनीर (कटा हुआ), 1 1/2 कप ब्रोकोली (कटी हुई), 1 कप बेबी कॉर्न (कटी हुई), 1 टीस्पून काली मिर्च पाऊडर, 1 शिमला मिर्च (कटी हुई), नमक स्वादानुसार, 1 टेबलस्पून तेल, सोया सॉस जरूरतानुसार, चिली और टोमैटो सॉस

### रोस्टेड आलू तेजेज

### सामग्री

4 आलू, 2 टेबलस्पून ऑलिव ऑयल, नमक स्वादानुसार, 1/2 छोटा चम्मच कालीमिर्च पाऊडर, 1/2 छोटा चम्मच आरगेनो, 1/2 छोटा चम्मच कसूरी मेथी, 1/2 छोटा चम्मच तिल



### विधि

सबसे पहले आलूओं को छीलकर लम्बाई में काट लें। अब एक बाउल में ऑलिव ऑयल, नमक, काली मिर्च, आरगेनो और कसूरी मेथी डाल कर मिला लें। कटे हुए आलूओं को इस मसाले में डालकर तबतक मिलाएं जब तक आलू के टुकड़ों पर मसाले की कोटिंग अच्छी तरह से न आ जाए। अब ऊपर से तिल डालें और मिव्स करें। ओवन को 180 डि.से. पर प्रिहीट कर लीजिए। मसाले में मिले हुए आलूओं को ट्रे में एक एक करके लगा कर ओवन में रोस्ट होने के लिए रख दें। 35 मिनट बाद आलू तेजेज को ओवन से निकालिए। रोस्टेड आलू तेजेज तैयार है। इन्हें सॉस के साथ सर्व करें।

# फ्री वाई-फाई से फोन को खतरा !

इसमें कोई दो राय नहीं है कि स्मार्टफोन हमारी जिंदगी में बहुत महत्व रखते हैं। मोबाइल फोन के बिना हम कहीं एक कदम नहीं जा सकते और हो भी क्यों ना, फोन ने हमारी जिंदगी को इतना सरल जो बना दिया है। नए-नए फीचर्स और अपडेट्स के बदौलत हम इंटरनेट के जरिये हमेशा कनेक्टेड रहना चाहते हैं। और यही वजह है कि हम इंटरनेट के इतने आदी हो गए हैं कि हम जहां जाते हैं वहीं नेट ढूँढते हैं। और यही वजह है कि हम रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, मॉल, बस अड्डे, होटल या अन्य जगहों पर फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आप को सावधान होने की जरूरत है क्योंकि इंटरनेट से कनेक्ट होने की जल्दी में हम यह भूल जाते हैं कि हम सार्वजनिक वाई-फाई का इस्तेमाल कर रहे हैं और ये अनसेफ हो सकते हैं। इसलिए आप बाद में फ्री इंटरनेट इस्तेमाल कर पछताएं, इससे तो बेहतर है कि पहले ही कुछ बातों का ध्यान रख लिया जाए। यदि सावधानी ना बरती गई तो आपको कई मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि सार्वजनिक वाई-फाई के इस्तेमाल से, आपके स्मार्टफोन से कई संवेदनशील जानकारीयां चुराई जा सकती हैं। इससे बचने के लिए हम आपको विस्तार से बताएंगे ऐसी ही कुछ जरूरी बातें जिनको जानकर आप इस रिस्क से बच सकते हैं। तो आइये जानते हैं-

## जानें बचने के उपाय



पब्लिक वाई-फाई ऐक्सेस करने के लिहाज से नहीं, आपको वैसे भी अपने फोन का ऑपरिंग सिस्टम अपडेटेड रखना चाहिए।

### 2. बैंकिंग और शॉपिंग करने से बचें

सबसे ध्यान रखने वाली बात ये है कि पब्लिक वाई-फाई कनेक्शन के जरिये ऑनलाइन बैंकिंग या शॉपिंग बिस्कुल ना करें, ये करना असुरक्षित है। हैकर चाहें तो आपके अकाउंट्स को डीटेल्स को हैक कर सकते हैं। यदि कोई जरूरी ट्रांजैक्शन करनी हो तो कोशिश करें कि मोबाइल डेटा इस्तेमाल करें या फिर वीपीएन इस्तेमाल करें। नहीं तो, ब्राउजर पर नेट बैंकिंग करने के बजाय बैंक के ऑफिशियल एप का इस्तेमाल करें क्योंकि उसमें एन्क्रिप्शन होता है। और अगर जरूरी है तो इसी तरह से स्थापित कंपनियों के एप के जरिये ही शॉपिंग करें।

### 3. मोबाइल ऐंटी-वायरस टूल्स का करें इस्तेमाल

सार्वजनिक वाई-फाई यूज करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि फोन में सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर इंस्टॉल है। आईओएस स्मार्टफोन्स के लिए दिकत नहीं है मगर ऐंड्रॉयड पर मैलवेयर आ सकते हैं। इससे बचने के लिए आप कोई ऐसा ऐंटीवायरस डालें जिसमें फायरवॉल, मैलवेयर स्कैनिंग और रिमूवल जैसे फीचर्स हों। दरअसल, पब्लिक वाई-फाई कनेक्ट करने से संभावना है कि अन्य डिवाइसेज के मैलवेयर आपके फोन पर आ सकते हैं। यह गलती से हो सकता है और तभी हो सकता है, जब हैकरस जानबूझकर ऐसा कर रहे हों। ऐसे में आपके लिए ऐंटी-मैलवेयर एप का फीचर मददगार साबित हो सकते हैं।

अगर आप सार्वजनिक जगह पर वाई-फाई नेटवर्क का इस्तेमाल कर रहे हैं और लग रहा है कि कनेक्शन स्लो है तो तुरंत उसे डिस्कनेक्ट कर दें। और अगर साइन-इन पेज पर भी जाने में दिक्कत हो रही है, तब भी डिस्कनेक्ट करें। क्योंकि स्पीड इसलिए कम हो सकती है, अगर राउटर वायरस की चपेट में हो। ऐसा भी हो सकता है कि आप मेन राउटर के बजाय किसी और राउटर से कनेक्ट हो गए हों और कोई और आपका डेटा अन्य डिवाइस के जरिये ऐक्सेस कर रहा हो। दरअसल, साइबर क्रिमिनल आसपास वाई-

फाई सिग्नल ट्रेक करते रहते हैं और मिलते ही वे तुरंत अपने पीसी को फेक राउटर में तब्दील कर देते हैं। जैसे ही कोई यूजर मेन राउटर के बजाय उनके डिवाइस से कनेक्ट करता है, वे उसके जरिये भेजे जाने वाले सारा डेटा कॉपी कर लेते हैं।

### 5. अपनाएं टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन

अगर आप अक्सर फ्री वाई-फाई यूज करते हैं तो अपने सभी ऑनलाइन अकाउंट्स, खासकर पर्सनल मेल और बैंक अकाउंट्स पर टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन कर रखें। दरअसल, टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन में सामान्य पासवर्ड के अलावा आपको ओटीपी भी डालना होता है, जिसके बिना आप लॉगइन नहीं कर पाएंगे। यह बेहद जरूरी है क्योंकि अगर किसी ने पब्लिक वाई-फाई के जरिये आपके पासवर्ड का पता लगा लिया होगा, तब भी वह कुछ नहीं कर पाएगा।

### 6. वीपीएन के बिना पब्लिक वाई-फाई से कनेक्ट न करें

वीपीएन के इस्तेमाल से पब्लिक वाई-फाई इस्तेमाल से होने वाले खतरों को कम किया जा सकता है। पहले डेस्कटॉप और लैपटॉप पर ही वीपीएन (वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क) को इस्तेमाल किया जा सकता था मगर अब एप भी मौजूद हैं। ये एप सुरक्षित वीपीएन सर्वर से कनेक्ट कर, आपके डेटा को एन्क्रिप्ट करते हैं। वीपीएन के कई फायदे हैं, जैसे आपके देश में कोई वेबसाइट ब्लॉक हो तो उसे भी देखा जा सकता है।

### 7. वाई-फाई से डिस्कनेक्ट करें

अगर आप वाई-फाई पर काम पूरा कर चुके हैं तो स्मार्टफोन या टैब का वाई-फाई स्विच ऑफ कर दें। ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं। यदि आप इसे डिसेबल नहीं करोगे तो चुपके से कोई आपके फोन में वायरस डाल सकता है।